DSSSB PRT MBT Exam Date 18-02-2026

Q.1 निम्नलिखित में से कौन सा पोषक तत्व हमारी त्वचा और आंखों को स्वस्थ रखता है?

A. वसा
B. कार्बोहाइड्रेट
C. प्रोटीन
D. विटामिन A

Answer: D

Sol: सही उत्तर (d) विटामिन A है

स्पष्टीकरण:

• विटामिन A स्वस्थ त्वचा और दृष्टि बनाए रखने के लिए आवश्यक है।
• यह रेटिना में रंजकों के उत्पादन में मदद करता है और श्लेष्म झिल्ली को स्वस्थ रखता है।

Information Booster:

• विटामिन A की कमी से रतौंधी (न्यक्टालोपिया) और जेरोफ्थैल्मिया हो जाता है।
• समृद्ध स्रोतों में गाजर, पालक, पपीता, दूध और मछली का तेल शामिल हैं।

Additional Knowledge:

• विटामिन C – स्वस्थ मसूड़ों और घावों को भरने के लिए महत्वपूर्ण है।
• विटामिन D – हड्डियों के स्वास्थ्य और कैल्शियम के अवशोषण के लिए आवश्यक है।

Q.2 भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) के कार्यकाल और स्वतंत्रता के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

A. हटाने के लिए केवल CJI की सहमति की आवश्यकता है
B. SC के न्यायाधीश की तरह दो-तिहाई बहुमत से हटाया जाता है
C. अन्य चुनाव आयुक्तों को केवल CEC की सिफारिश पर ही हटाया जा सकता है
D. दस वर्ष का निश्चित कार्यकाल

Answer: C

Sol: सही उत्तर (c) अन्य चुनाव आयुक्तों को केवल CEC की सिफारिश पर ही हटाया जा सकता है

व्याख्या:

. अनुच्छेद 324(5) यह सुरक्षा प्रदान करता है।
. चुनाव आयोग की स्वतंत्रता की रक्षा करता है।
. सरकार सीधे चुनाव आयुक्तों को नहीं हटा सकती।
. CEC के पास विशेष अधिकार है।
. चुनावों की तटस्थता को मजबूत करता है।

Information Booster:

. CEC को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की तरह हटाया जाता है।
. कार्यकाल छह वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक है।

Q.3 सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान, छोटे शहरों की सेटिंग में कीमती धातुओं और अर्ध-कीमती पत्थरों से बने आभूषणों की उपस्थिति इस तर्क का समर्थन करती है कि _____।

A. मजबूत सामाजिक स्तरीकरण था
B. सभ्यता पर निरंकुश पुरोहित-राजाओं का शासन था
C. केवल अभिजात वर्ग के पास ही विलासिता की वस्तुओं तक पहुंच थी
D. भौतिक वस्तुओं तक समान पहुंच थी

Answer: A

Sol: **सही उत्तर है** (A) मजबूत सामाजिक स्तरीकरण था

स्पष्टीकरण:

• कीमती सामग्रियों से बने आभूषण धन के भेदभाव का संकेत देते हैं।
• छोटे शहरों में भी ऐसी वस्तुओं का पाया जाना असमान वितरण का सुझाव देता है।
• शिल्प विशेषज्ञता आर्थिक पदानुक्रम की ओर इशारा करती है।
• पुरातात्विक साक्ष्य सामाजिक स्तरीकरण का समर्थन करते हैं।
• इसलिए, मजबूत सामाजिक स्तरीकरण मौजूद था।

Information Booster:

• सिंधु समाज में विशेष कारीगर थे।
• एकसमान शहरी नियोजन असमान भौतिक पहुंच के विपरीत है।
• दफनाने में कब्र के सामानों में भिन्नता दिखाई देती है।

Additional Knowledge (गलत विकल्प):

(B) निरंकुश पुरोहित-राजा

Adda247
Test Prime
ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION
1,00,000+ Mock Tests
Personalised Report Card
Unlimited Re-Attempt
600+ Exam Covered
25,000+ Previous Year Papers
500% Refund
IBPS
NABARD
INDIAN RAILWAYS
ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

• पुरोहित-राजा के शासन का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं।
• यह अनुमानित है।
(C) केवल अभिजात वर्ग की पहुंच
• प्रमुख शहरों से परे विलासिता की वस्तुएं पाई गईं।
• स्तरीकरण को दर्शाता है, विशिष्टता को नहीं।
(D) समान पहुंच
• कीमती सामानों के असमान वितरण से विरोधाभास।
• पुरातात्विक रूप से समर्थित नहीं।

Q.4 भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद केंद्रीय स्तर पर मंत्रिपरिषद का प्रावधान करता है?

A. अनुच्छेद 85
B. अनुच्छेद 75
C. अनुच्छेद 65
D. अनुच्छेद 74

Answer: D

Sol: सही उत्तर (d) अनुच्छेद 74 है
व्याख्या:
. अनुच्छेद 74 मंत्रिपरिषद का प्रावधान करता है।
. प्रधान मंत्री परिषद का प्रमुख होता है।
. यह राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देता है।
. परिषद की सलाह राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी है।
. यह संसदीय लोकतंत्र का आधार बनता है।
Information Booster:
. अनुच्छेद 75 मंत्रियों की नियुक्ति और जिम्मेदारी से संबंधित है।
. मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।
Additional Knowledge:
अनुच्छेद 85 (विकल्प a)
. संसद के सत्रों से संबंधित है।
अनुच्छेद 75 (विकल्प b)
. मंत्रियों की नियुक्ति और कार्यकाल को शामिल करता है।
अनुच्छेद 65 (विकल्प c)
. उपराष्ट्रपति के राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने से संबंधित है।

Q.5 विजयवाड़ा में आयोजित 87वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में, क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब किसने जीते?

A. किरण जॉर्ज और तन्वी शर्मा
B. ऋत्विक संजीव और सूर्य करिश्मा तमीरी
C. ऋत्विक संजीव और तन्वी पत्री
D. किरण जॉर्ज और सूर्य करिश्मा तमीरी

Answer: C

Sol: सही उत्तर **(C) ऋत्विक संजीव और तन्वी पत्री** है।

व्याख्या:
• 87वीं सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 की शुरुआत में विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में संपन्न हुई।
• पुरुष एकल फाइनल में, **ऋत्विक संजीव** विजयी हुए।
• महिला एकल फाइनल में, युवा सनसनी **तन्वी पत्री** (जिन्होंने एशियाई U-15 खिताब भी जीता है) ने चैंपियनशिप अपने नाम की।
• इस संस्करण में कई उलटफेर देखने को मिले क्योंकि युवा खिलाड़ियों ने स्थापित नामों पर दबदबा बनाया।

Information Booster:
• **तन्वी पत्री:** भारत की सबसे उज्ज्वल युवा प्रतिभाओं में से एक, उन्होंने बहुत कम उम्र में सीनियर नेशनल खिताब जीता, और अपनी जूनियर अंतरराष्ट्रीय सफलताओं के क्रम को जारी रखा।
• **ऋत्विक संजीव:** उनकी जीत शीर्ष रैंक वाले विश्व टूर खिलाड़ियों के अलावा भारत के पुरुष एकल सर्किट में बढ़ती गहराई को उजागर करती है।
• **मेजबान शहर:** विजयवाड़ा भारतीय बैडमिंटन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जो कई राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों की मेजबानी करता है।

Additional Knowledge:
• **किरण जॉर्ज (विकल्प A/D):** एक प्रमुख भारतीय शटलर जिन्होंने ओडिशा ओपन जैसे अंतरराष्ट्रीय खिताब जीते हैं, लेकिन वे 87वें नेशनल के पुरुष एकल विजेता नहीं थे।
• **सूर्य करिश्मा तमीरी (विकल्प B/D):** आंध्र प्रदेश की एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन इस विशिष्ट संस्करण में एकल खिताब नहीं जीत सकीं।
• **तन्वी शर्मा (विकल्प A):** एक और उभरती हुई सितारा जिन्होंने राष्ट्रीय स्पर्धाओं के फाइनल में प्रतिस्पर्धा की है लेकिन इस विशेष टूर्नामेंट में हार गईं।

Q.6 1857 के नायक बाबू कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि के रूप में, अप्रैल 2025 में IAF सूर्य किरण एयर शो ने _____ के आकाश को चकाचौंध कर दिया।

A. भागलपुर
B. पटना
C. लखनऊ
D. मेरठ

Answer: B

Sol: सही उत्तर है: (b) पटना

व्याख्या:

· **अप्रैल 2025** में, भारतीय वायु सेना की (IAF) प्रसिद्ध **सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (SKAT)** ने बिहार के **पटना** के आकाश में एक शानदार एयर शो का प्रदर्शन किया।
· यह आयोजन **स्वतंत्रता के प्रथम युद्ध (1857)** के महान नायक **बाबू कुंवर सिंह** की जयंती और **विजयोत्सव** (विजय दिवस) के अवसर पर उन्हें विशेष श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित किया गया था।
· एयर शो **गंगा नदी** के ऊपर हुआ, जिसका मुख्य दृश्य क्षेत्र **जेपी गंगा पथ** (जिसे अक्सर पटना का मरीन ड्राइव कहा जाता है) था।
· यह एक ऐतिहासिक घटना थी क्योंकि यह पहली बार था जब बिहार राज्य में सूर्य किरण टीम द्वारा पूर्ण पैमाने पर एरोबैटिक प्रदर्शन आयोजित किया गया था।

Information Booster:

· **बाबू कुंवर सिंह:** वह **जगदीशपुर** (वर्तमान में बिहार के भोजपुर जिले में) के मुखिया थे। उन्हें **80** वर्ष की आयु में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करने, अदम्य साहस और सैन्य कौशल प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है।
· **सूर्य किरण टीम:** "IAF के राजदूत" के रूप में जानी जाने वाली यह टीम **हॉक Mk-132** विमान उड़ाती है। पटना शो के दौरान, उन्होंने लाखों दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए लूप, बैरल रोल और फॉर्मेशन फ्लाइंग सहित लुभावने करतब दिखाए।
· **विमान:** शो में तंग तालमेल में उड़ने वाले **नौ** हॉक विमान शामिल थे।

Additional Knowledge (गलत विकल्प): भागलपुर (विकल्प a)

· बिहार के "रेशम शहर" के रूप में जाना जाने वाला भागलपुर ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है लेकिन 2025 में इस विशिष्ट IAF एयर शो का स्थल नहीं था।

लखनऊ (विकल्प c)

· लखनऊ 1857 के विद्रोह (बेगम हजरत महल के नेतृत्व में) का एक प्रमुख केंद्र था, लेकिन अप्रैल 2025 में यह विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम बिहार की राजधानी में केंद्रित था।

मेरठ (विकल्प d)

· मेरठ उस स्थान के रूप में प्रसिद्ध है जहां **1857 का विद्रोह वास्तव में शुरू हुआ था** (10 मई, 1857 को) सिपाहियों के विद्रोह के साथ, लेकिन प्रश्नगत सूर्य किरण शो बिहार स्थित नायक कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि थी।

Q.7 किस पोषक तत्व की कमी रक्त की ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता में कमी से सीधे जुड़ी है?

A. आयोडीन
B. विटामिन A
C. कैल्शियम
D. आयरन

Answer: D

Sol: **सही उत्तर (D) आयरन है**

व्याख्या:

• **आयरन (लौह) हीमोग्लोबिन** बनाने के लिए आवश्यक है, जो लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटीन है जो ऑक्सीजन ले जाता है।
• आयरन की कमी से **आयरन की कमी वाला एनीमिया** होता है, जो सीधे रक्त की **ऑक्सीजन ले जाने की क्षमता** को कम करता है।

Information Booster:

• लक्षणों में थकान, कमजोरी, पीली त्वचा और सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं।
• अच्छे आहार स्रोत: **हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़, मांस, दाल, मेवा**।
• विटामिन सी **आयरन अवशोषण** को बेहतर बनाने में मदद करता है।

Additional Knowledge:

• **आयोडीन (A)** – थायराइड हार्मोन के लिए आवश्यक; इसकी कमी से घेंघा (goitre) होता है।
• **विटामिन A (B)** – रतौंधी को रोकता है।
• **कैल्शियम (C)** – हड्डियों और दांतों के लिए आवश्यक

Q.8 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में किस भारतीय एथलीट ने 200 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया?

A. अनिमेष कुजूर
B. गुरिंदरवीर सिंह
C. अमलान बोरगोहेन
D. अमिया मल्लिक

Answer: A

Sol: **सही उत्तर (A) अनिमेष कुजूर है**

व्याख्या:

• एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में आयोजित की गई थी।
• इस स्पर्धा में 200 मीटर दौड़ में एक नया भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया गया।
• यह रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन अनिमेष कुजूर द्वारा हासिल किया गया था।
• यह उपलब्धि भारतीय स्प्रिंटिंग में एक मील का पत्थर है।

• इसलिए, अनिमेष कुजूर ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

Information Booster:

• 200 मीटर दौड़ गति सहनशक्ति और वक्र (curve) दौड़ने की क्षमता का परीक्षण करती है।
• राष्ट्रीय रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (AFI) द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं।
• यह प्रदर्शन ट्रैक एथलेटिक्स में भारत की प्रोफाइल को मजबूत करता है।

Additional Knowledge (गलत विकल्प):

(B) गुरिंदरवीर सिंह
• मुख्य रूप से 100 मीटर दौड़ में प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं।
• 2025 में 200 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड नहीं बनाया।

(C) अमलान बोरगोहेन
• 100 मीटर दौड़ के पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक।
• इस स्पर्धा में 200 मीटर का रिकॉर्ड नहीं तोड़ा।

(D) अमिया मल्लिक
• 100 मीटर दौड़ में पूर्व राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक।
• 2025 में 200 मीटर रिकॉर्ड से जुड़े नहीं हैं।

Q.9 भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की नियुक्ति के बारे में बताता है?

A. अनुच्छेद 145
B. अनुच्छेद 146
C. अनुच्छेद 147
D. अनुच्छेद 148

Answer: D

Sol: **सही उत्तर: (D) अनुच्छेद 148**

व्याख्या:

• भारतीय संविधान का **अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की नियुक्ति** का प्रावधान करता है।
• यह सरकारी खातों की निष्पक्ष ऑडिटिंग सुनिश्चित करने के लिए CAG की स्वतंत्रता, वेतन और कार्यालय की शर्तों को रेखांकित करता है।

Information Booster:

• CAG की नियुक्ति **भारत के राष्ट्रपति** द्वारा की जाती है।
• वह **संघ, राज्यों और सार्वजनिक क्षेत्र के निकायों** के खातों का ऑडिट करता है।
• उसे **सार्वजनिक धन का रक्षक** कहा जाता है।

अतिरिक्त ज्ञान:

• **(A) अनुच्छेद 145: उच्चतम न्यायालय के नियमों** से संबंधित है।
• **(B) अनुच्छेद 146: उच्चतम न्यायालय के अधिकारियों और सेवकों** से संबंधित है।
• **(C) अनुच्छेद 147:** उच्चतम न्यायालय के क्षेत्राधिकार के संबंध में **संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या** प्रदान करता है।

Q.10 'द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस' (The Ministry of Utmost Happiness) किस लेखक द्वारा लिखी गई थी जो साहित्य अकादमी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता भी हैं?

A. किरण देसाई
B. अरुंधति रॉय
C. झुम्पा लाहिड़ी
D. अनीता देसाई

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) अरुंधति रॉय** है।

व्याख्या:

• *द मिनिस्ट्री ऑफ अटमोस्ट हैप्पीनेस* अरुंधति रॉय का दूसरा उपन्यास है, जो 2017 में प्रकाशित हुआ था, उनके पहले उपन्यास *द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स* के बीस साल बाद।
• अरुंधति रॉय ने 1997 में *द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स* के लिए **मैन बुकर पुरस्कार** जीता था।
• **साहित्य अकादमी पुरस्कार** के संबंध में, उन्हें 2005 में उनके निबंधों के संग्रह, *द अलजेब्रा ऑफ इनफिनिट जस्टिस* के लिए सम्मानित किया गया था, लेकिन उन्होंने सरकार की नीतियों के विरोध में इसे स्वीकार करने से मना कर दिया था।

Information Booster:

• **विषय वस्तु:** उपन्यास अंजुम (एक ट्रांस महिला) और तिलो (एक वास्तुकार) सहित विभिन्न पात्रों की कहानियों को एक साथ बुनता है, जिसमें कश्मीर संघर्ष, 2002 के गुजरात दंगे और दिल्ली में सामाजिक मुद्दों जैसे विषयों को शामिल किया गया है।
• **मैन बुकर पुरस्कार:** रॉय कथा साहित्य (fiction) के लिए बुकर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय नागरिक थीं।
• **सक्रियता:** वे पर्यावरणीय मुद्दों और मानवाधिकारों के संबंध में अपनी राजनीतिक सक्रियता के लिए प्रसिद्ध हैं।

Additional Knowledge:

• **किरण देसाई (विकल्प A):** *द इनहेरिटेंस ऑफ लॉस* की लेखिका, जिसके लिए उन्होंने 2006 में मैन बुकर पुरस्कार जीता था।
• **झुम्पा लाहिड़ी (विकल्प C):** भारतीय मूल की एक अमेरिकी लेखिका, जिन्हें *इंटरप्रेटर ऑफ मैलाडीज* (पुलित्जर पुरस्कार) और *द नेमसेक* के लिए जाना जाता है।
• **अनीता देसाई (विकल्प D):** किरण देसाई की मां और कई बार बुकर पुरस्कार फाइनलिस्ट, जिन्हें *क्लियर लाइट ऑफ डे* और *इन कस्टडी* के लिए जाना जाता है।

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

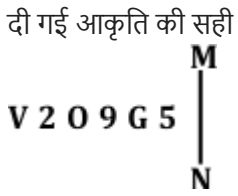

Q.1 दी गई आकृति की सही दर्पण प्रतिबिंब का चयन करें जब दर्पण को MN पर रखा जाता है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

A.
B.
C.

D.

Answer: B

Sol: सही दर्पण प्रतिबिंब नीचे दी गई है:

सही उत्तर है: (b)

Q.2 दी गई श्रृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आना चाहिए?
91, 102, 119, 142, 171, ?

A. 204
B. 214
C. 215
D. 206

Answer: D

Sol: **दिया गया है:**
91, 102, 119, 142, 171, ?
तर्क: श्रृंखला उन संख्याओं को जोड़ने के पैटर्न का पालन करती है जो 6 से बढ़ती हैं।
91 + 11 = 102
102 + 17 = 119
119 + 23 = 142
142 + 29 = 171
अगला अंतर = 29 + 6 = **35**
171 + 35 = **206**
इस प्रकार, सही विकल्प (d) है।

Q.3 एक लड़के की ओर इशारा करते हुए, मीना ने कहा, "वह मेरी माँ के भाई का बेटा है।" लड़के का मीना से क्या संबंध है?

A. भाई
B. कज़िन
C. भांजा/भतीजा

D. अंकल

Answer: B

Sol: **दिया है**:
एक लड़के की ओर इशारा करते हुए, मीना ने कहा, "वह मेरी माँ के भाई का बेटा है।"

Symbol in Diagram	Meaning
- / ○	Female
+ / □	Male
=	Married Couple
—	Siblings
|	Difference Of Generation

दी गई जानकारी से रक्त संबंध आरेख होगा।

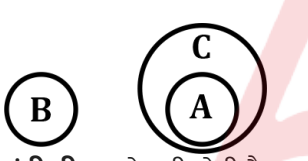

अत:, लड़का मीना का **कज़िन** है।
अत: सही विकल्प (b) है।

Q.4 निम्नलिखित में से कौन-सा आरेख निम्नलिखित वर्गों के बीच संबंध को सही ढंग से दर्शाता है?
A. घंटी
B. जल
C. पीतल

A. 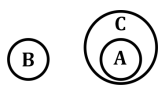

B.

C.

D. 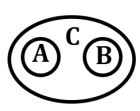

Answer: A

Sol: **दिए गए**: A. घंटी B. जल C. पीतल

घंटी पीतल से बनी होती है। **जल** अलग है।
अतः, सही विकल्प (a) है।

Q.5 उस विकल्प का चयन करें जो श्रृंखला में प्रश्न चिह्न (?) को प्रतिस्थापित करेगा:
EJQ, HMT, KPW, NSZ, ?

A. QVC
B. QUA
C. QSZ
D. QTW

Answer: A

Sol: **दिया गया है**: EJQ, HMT, KPW, NSZ, ?

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

तर्क: अक्षर + 3 स्थान बढ़ रहे हैं।
E + 3 = H, H + 3 = K, K + 3 = N, N + 3 = Q
J + 3 = M, M + 3 = P, P + 3 = S, S + 3 = V
Q + 3 = T, T + 3 = W, W + 3 = Z, Z + 3 = C
अतः, लुप्त पद **QVC** है।

अतः, सही विकल्प (a) है।

Q.6 अंग्रेजी वर्णमाला क्रम के आधार पर, निम्नलिखित चार अक्षर-समूह युग्मों में से तीन एक निश्चित तरीके से समान हैं और इस प्रकार एक समूह बनाते हैं। कौन सा अक्षर-समूह युग्म उस समूह से संबंधित नहीं है?
(नोट: विषम युग्म का चयन व्यंजनों/स्वरों की संख्या या अक्षर-समूह में उनकी स्थिति पर आधारित नहीं है।)

A. MP-KO
B. PS-NR
C. UX-SW
D. RU-PS

Answer: D

Sol:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

पहले युग्म से दूसरे युग्म तक वर्णमाला विस्थापन की जाँच करें।
A) MP → KO
M → K = −2
P → O = −1
B) PS → NR
P → N = −2
S → R = −1
C) UX → SW
U → S = −2
X → W = −1
D) RU → PS
R → P = −2
U → S = −2
विकल्प A, B और C में, अक्षर विस्थापन −2 और −1 हैं।
विकल्प D में, दोनों अक्षर −2 से विस्थापित होते हैं, इसलिए पैटर्न अलग है।
अतः, विषम युग्म D) RU–PS है।

Q.7 यदि **NATURE** को **QDWXUH** लिखा जाता है, तो **FUTURE** को कैसे कूटबद्ध किया जाएगा?

A. IXWXUH
B. IXWXUHU
C. IXWTUH
D. IXWVUH

Answer: A

Sol: **दिया है**: यदि NATURE को QDWXUH लिखा जाता है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

तर्क: अक्षर + 3 स्थान बढ़ रहे हैं।
NATURE के लिए - QDWXUH
N + 3 = Q, A + 3 = D, T + 3 = W, U + 3 = X, R + 3 = U, E + 3 = H
इसी प्रकार,
FUTURE - ?
F + 3 = I, U + 3 = X, T + 3 = W, U + 3 = X, R + 3 = U, E + 3 = H
इसलिए, FUTURE को **IXWXUH** के रूप में कूटबद्ध किया जाएगा।
अतः, सही विकल्प (a) है।

Q.8 सही विकल्प चुनकर निम्नलिखित शब्दों को शब्दकोश के अनुसार व्यवस्थित करें।
1. Grind
2. Growth
3. Great
4. Grease
5. Greet

A. 4, 3, 5, 1, 2
B. 2, 1, 4, 5, 3
C. 5, 3, 2, 4, 1
D. 5, 4, 1, 2, 3

Answer: A

Sol: **शब्द**:
Grind
Growth
Great
Grease
Greet
चरण 1: सभी Gr... से शुरू होते हैं
तीसरा अक्षर जांचें:
Grease (4) → e
Great (3) → e
Greet (5) → e
Grind (1) → i
Growth (2) → o

सही उत्तर:
(A) 4, 3, 5, 1, 2

Q.9 तार्किक क्रम में व्यवस्थित करें:
1. कॉलेज
2. प्रवेश
3. आवेदन
4. डिग्री
5. परिणाम

A. 3-2-1-5-4
B. 3-1-2-4-5
C. 2-3-1-4-5
D. 3-2-1-5-4

Answer: A

Sol: **दिया गया**:
1. कॉलेज 2. प्रवेश 3. आवेदन 4. डिग्री 5. परिणाम
व्याख्या:
आवेदन (3) → प्रवेश के लिए आवेदन करना।
प्रवेश (2) → प्रवेश मिलना।
कॉलेज (1) → कॉलेज में शामिल होना।
परिणाम (5) → परीक्षा देना और परिणाम प्राप्त करना।
डिग्री (4) → पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद डिग्री प्राप्त करना।
अतः, क्रम है: **3-2-1-5-4**
इस प्रकार, सही विकल्प (a) है।

Q.10 एक निश्चित भाषा में, **DUPLEX** को **CWOKGW** लिखा जाता है। उस कूट में **KNOWLEDGE** कैसे लिखा जाता है?

A. JMQVKFCGF
B. JMQVKGCFG
C. JMQVKGCGF
D. JMQVKGCFC

Answer: B

Sol: **दिया गया है:**
DUPLEX → CWOKGW

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

तर्क:
व्यंजनों को पिछले अक्षर (−1) से बदल दिया जाता है।
स्वरों को 2 स्थान आगे (+2) के अक्षर से बदल दिया जाता है।

Adda247

GET IT ON Google Play

व्याख्या:

D −1 → C

U +2 → W

P −1 → O

L −1 → K

E +2 → G

X −1 → W

अब यही तर्क KNOWLEDGE पर लागू करें:

K −1 → J

N −1 → M

O +2 → Q

W −1 → V

L −1 → K

E +2 → G

D −1 → C

G −1 → F

E +2 → G

अतः, KNOWLEDGE → **JMQVKGCFG**

अत:, सही विकल्प (B) है।

Adda247

Q.1 एक व्यक्ति एक मोबाइल फोन ₹600 में बेचता है और उसे हानि होती है। यदि उसने इसे ₹1,230 में बेचा होता, तो उसे उस हानि की राशि का 2.5 गुना लाभ होता। मोबाइल फोन का क्रय मूल्य (₹ में) क्या है?

A. 810
B. 760
C. 780
D. 800

Answer: C

Sol: **दिया गया है:**
स्थिति 1: विक्रय मूल्य = 600 (हानि)
स्थिति 2: विक्रय मूल्य = 1230 (लाभ)
शर्त: लाभ $= 2.5 \times$ हानि
हल:
माना क्रय मूल्य CP है।
हानि $= CP - 600$
लाभ $= 1230 - CP$
प्रश्नानुसार:
1230 - CP = 2.5 (CP - 600)
1230 - CP = 2.5 CP - 1500
2730 = 3.5 CP
$\text{CP} = \frac{2730}{3.5} = \frac{27300}{35}$
$\text{CP} = \frac{5460}{7}$
CP = 780
अतः सही उत्तर (c) है

Q.2 एक घन के एक फलक का परिमाप 20 सेमी है, तो उसका आयतन होगा?

A. 250 सेमी^{3}
B. 1000 सेमी^{3}
C. 400 सेमी^{3}
D. 125 सेमी^{3}

Answer: D

Sol: दिया गया है:
घन के एक फलक का परिमाप = 20 सेमी
प्रयुक्त सूत्र:
वर्ग फलक का परिमाप = 4a
घन का आयतन = a^3
हल:
$4a = 20 \quad => \quad a = \frac{20}{4} = 5\,\text{cm}$

आयतन $= a^3 = 5^3 = 125\,\text{cm}^3$

सही उत्तर है (D) $125\,\text{cm}^3$

Q.3 सबसे पहले संख्या 350 में 20% की वृद्धि की जाती है और फिर 20% की कमी की जाती है। अंततः प्रतिशत वृद्धि या कमी है -

A. 14% की कमी
B. 4% की कमी
C. 25% की वृद्धि
D. 20% की वृद्धि

Answer: B

Sol: **Given:**

मूल संख्या = 350
पहली वृद्धि = 20%
फिर कमी = 20%
Concept used: क्रमिक प्रतिशत परिवर्तन:
यदि किसी संख्या में *x*% की वृद्धि की जाती है और फिर *x*% की कमी की जाती है, तो शुद्ध परिवर्तन 0% नहीं होता है।
शुद्ध प्रतिशत परिवर्तन = x^2 / 100 कमी
Formula used:
शुद्ध % परिवर्तन = (x^2 / 100) % कमी
Solution:
x = 20
शुद्ध परिवर्तन = (20^2 / 100)% = 400 / 100 = 4% की कमी
सही उत्तर (b) 4% की कमी है।

Q.4 1.66 × 1.66 + 0.66 × 0.66 – 1.32 × 1.66 का मान क्या है?

A. 1
B. 0
C. 0.92
D. 1.08

Answer: A

Sol: **दिया गया है:**

व्यंजक $= 1.66 \times 1.66 + 0.66 \times 0.66 - 1.32 \times 1.66$

प्रयुक्त सूत्र:

$a^2 + b^2 - 2ab = (a - b)^2$

हल:

मान लेते हैं $a = 1.66$ तथा $b = 0.66$

ध्यान दें कि $1.32 = 2 \times 0.66 = 2b$

अतः व्यंजक को इस प्रकार लिखा जा सकता है:

$a \times a + b \times b - 2b \times a$

$= a^2 + b^2 - 2ab$

$= (a - b)^2$

a और b के मान रखने पर:

$= (1.66 - 0.66)^2$

$= (1.00)^2$

$= 1$

अंतिम उत्तर:

1

Q.5 एक नाव धारा के विपरीत दिशा में 80 किमी की दूरी 12 घंटे में और धारा के साथ उतनी ही दूरी 8 घंटे में तय कर सकती है। स्थिर जल में नाव की चाल क्या है?

A. 25/3 किमी/घंटा
B. 25/4 किमी/घंटा
C. 20/3 किमी/घंटा
D. 25/2 किमी/घंटा

Answer: A

Sol: **दिया गया है:**

दूरी $= 80$ किमी

धारा के प्रतिकूल समय $= 12$ घंटे, धारा के अनुकूल समय $= 8$ घंटे

हल:

धारा के प्रतिकूल चाल $(\mathrm{U}) = \frac{80}{12} = \frac{20}{3}$ किमी/घंटा

धारा के अनुकूल चाल $(\mathrm{V}) = \frac{80}{8} = 10$ किमी/घंटा

नाव की चाल $(\mathrm{B}) = \frac{U + V}{2}$

$B = \frac{\frac{20}{3} + 10}{2} = \frac{\frac{50}{3}}{2} = \frac{25}{3}$ किमी/घंटा

अंतिम उत्तर

$25/3$ किमी/घंटा

Q.6 निम्नलिखित में से कौन सी संख्या 11 से विभाज्य है?

A. 84228
B. 88224
C. 28248
D. 42828

Answer: C

Sol: **दिया गया है:**

संख्याएँ: $84228, 88224, 28248, 42828$

प्रयुक्त अवधारणा:

11 का विभाज्यता नियम

प्रयुक्त सूत्र:

एक संख्या 11 से विभाज्य होती है यदि
विषम स्थानों और सम स्थानों के अंकों के योग के बीच का अंतर 0 या 11कागुणजहो

समाधान:

विकल्प A: 84228
$(8 + 2 + 8) - (4 + 2) = 18 - 6 = 12 \neq 0, 11$

विकल्प बी: 88224
$(8 + 2 + 4) - (8 + 2) = 14 - 10 = 4 \neq 0, 11$

विकल्प सी: 28248
$(2 + 2 + 8) - (8 + 4) = 12 - 12 = 0$
$=>$ से विभाज्य 11

विकल्प डी: 42828
$(4 + 8 + 8) - (2 + 2) = 20 - 4 = 16 \neq 0, 11$

अंतिम उत्तर:

$\boxed{28248}$(विकल्प सी)

Q.7 संख्या $\frac{\sqrt{2} + \sqrt{7}}{\sqrt{2 - \sqrt{7}}}$ है:

A. एक अपरिमेय संख्या
B. एक परिमेय संख्या
C. एक पूर्णांक
D. एक प्राकृत संख्या

Answer: A

Sol: **दिया गया है:**

$$\frac{\sqrt{2} + \sqrt{7}}{\sqrt{2 - \sqrt{7}}}$$

प्रयुक्त अवधारणा:

अपरिमेय संख्या एक वास्तविक संख्या है जिसे पूर्णांकों के अनुपात के रूप में व्यक्त नहीं किया जा सकता है;

उदाहरण के लिए, $\sqrt{2}$ एक अपरिमेय संख्या है

हम किसी भी अपरिमेय संख्या को अनुपात के रूप में व्यक्त नहीं कर सकते, जैसे $\frac{p}{q}$,जहाँ p और q पूर्णांक हैं, q≠0

हल:

$$\frac{\sqrt{2}+\sqrt{7}}{\sqrt{2-\sqrt{7}}}$$

$$=\frac{\sqrt{2}+\sqrt{7}}{\sqrt{2-\sqrt{7}}} \times \frac{\sqrt{2-\sqrt{7}}}{\sqrt{2-\sqrt{7}}}$$

$$=\frac{\sqrt{2}+\sqrt{7} \times \sqrt{2-\sqrt{7}}}{2-\sqrt{7}} \times \frac{2+\sqrt{7}}{2+\sqrt{7}}$$

$$=\frac{(\sqrt{2}+\sqrt{7}) \times \sqrt{2-\sqrt{7}} \times (2+\sqrt{7})}{4-7}$$

$$=\frac{(\sqrt{2}+\sqrt{7}) \times \sqrt{2-\sqrt{7}} \times (2+\sqrt{7})}{-3}$$

हम कह सकते हैं कि, उपरोक्त व्यंजक एक अपरिमेय संख्या है।

Q.8 एक निश्चित वार्षिक ब्याज दर पर 5 वर्षों के लिए मूलधन और उस पर साधारण ब्याज का योग 28,000 रुपये है। यदि ब्याज मूलधन का 2/5 है, तो वार्षिक ब्याज दर है:

A. 8%
B. 6%
C. 4%
D. 10%

Answer: A

Sol: दिया गया है :

मूलधन और SI का योग $= 28000$, समय $= 5$वर्ष

$\mathrm{SI} =$ मूलधन का$\frac{2}{5}$

प्रयुक्त सूत्र :

$$\mathrm{SI} = \frac{P \times R \times T}{100}$$

समाधान :

$$P + \frac{2}{5}P = \frac{7}{5}P = 28000$$

$$P = \frac{28000 \times 5}{7} = 20000$$

$$\mathrm{SI} = \frac{2}{5} \times 20000 = 8000$$

$$8000 = \frac{20000 \times R \times 5}{100}$$

$$8000 = 1000R$$

$$R = 8$$

अंतेम उत्तर :

8%

Q.9 ₹18,000 पर 13% वार्षिक दर से 2 वर्षों के लिए चक्रवृद्धि ब्याज (सालाना चक्रवृद्धि) ज्ञात कीजिए।

A. 4848.2 रुपये
B. 4884 रुपये
C. 4948.2 रुपये
D. 4984.2 रुपये

Answer: D

Sol: **दिया गया है:**

$P = 18000$
$R = 13\%$
$n = 2$
वार्षिक चक्रवृद्धि

प्रयुक्त अवधारणा:
चक्रवृद्धि ब्याज

प्रयुक्त सूत्र:

$A = P\left(1 + \frac{R}{100}\right)^n$
$\text{C.I.} = A - P$

हल:

$A = 18000\left(1 + \frac{13}{100}\right)^2$
$= 18000(1.13)^2$
$= 18000 \times 1.2769$
$= 22984.20$
$\text{C.I.} = 22984.20 - 18000$
$= 4984.20$

अंतिम उत्तर:
4984.20

Q.10 दो व्यक्ति एक ही समय पर एक ही दिशा में क्रमशः 12 किमी/घंटा और 15 किमी/घंटा की चाल से दौड़ना शुरू करते हैं। कितने समय में वे 10 किमी की दूरी पर होंगे?

A. 200 मिनट
B. 220 मिनट
C. 210 मिनट
D. 180 मिनट

Answer: A

Sol: **दिया गया है :**

पहले व्यक्ति की चाल $= 12$ किमी/घंटा

दूसरे व्यक्ति की चाल $= 15$ किमी/घंटा

उनके बीच की दूरी $= 10$ किमी

प्रयुक्त सूत्र :

सापेक्ष चाल $=$ चाल का अंतर

समय $= \frac{\text{दूरी}}{\text{सापेक्ष चाल}}$

हल :

सापेक्ष चाल $= 15 - 12 = 3$ किमी/घंटा

समय $= \frac{10}{3}$ घंटे

Adda247

GET IT ON Google Play

अंतिम उत्तर :

$\frac{10}{3}$ घंटे $= 200$मिनट

Adda247

Q.1 निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो विलोम शब्द का सबसे अच्छा विकल्प है।
विधि

A. निषेध
B. व्यवस्था
C. निर्देश
D. तरीका

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या: 'विधि' का अर्थ है नियम या कानून। इसका विलोम 'निषेध' होता है, जिसका अर्थ है रोक या मनाही।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	सही उत्तर: विधि का विपरीतार्थक शब्द निषेध है।
(B)	'व्यवस्था' विधि का समानार्थी भाव रख सकती है।
(C)	'निर्देश' आज्ञा देने की क्रिया है।
(D)	'तरीका' विधि का पर्यायवाची है।

Q.2 'रात' शब्द का पर्यायवाची शब्द नहीं है:

A. रजनी
B. कामिनी
C. यामिनी
D. विभावरी

Answer: B

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (B)
व्याख्या: 'कामिनी' शब्द सुंदर स्त्री का पर्यायवाची है। रात के अन्य पर्यायवाची निशा, रैन, रजनी, यामिनी, विभावरी, शर्वरी आदि हैं।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	अर्थ/विश्लेषण
(A, C, D)	ये तीनों शब्द 'रात' के प्रचलित पर्यायवाची हैं।
(B)	कामिनी का अर्थ 'स्त्री' होता है, अतः यह भिन्न है।

Q.3 "धावक तेज गति से दौड़ते हैं।" वाक्य में 'तेज गति' क्रियाविशेषण का कौन-सा भेद है?

A. स्थानवाचक
B. परिमाणवाचक
C. कालवाचक
D. रीतिवाचक

Answer: B

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (B)
व्याख्या: जो शब्द क्रिया की मात्रा, वजन या तीव्रता का बोध कराते हैं, वे परिमाणवाचक क्रियाविशेषण कहलाते हैं। यहाँ 'तेज गति' दौड़ने की तीव्रता (मात्रा) को दर्शा रही है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	क्रियाविशेषण भेद	प्रश्नवाचक शब्द
(A)	स्थानवाचक	कहाँ? (ऊपर, नीचे)।
(B)	परिमाणवाचक	सही उत्तर। कितना? (तेज गति, बहुत, थोड़ा)।
(C)	कालवाचक	कब? (आज, कल, अभी)।
(D)	रीतिवाचक	कैसे? (ध्यानपूर्वक, अचानक)।

Q.4 निम्नलिखित शब्द की शुद्ध वर्तनी चुनिए -

A. उज्जवल
B. उज्वल
C. उज्ज्वल
D. ऊज्ज्वल

Answer: C

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (C)
व्याख्या:
'उज्ज्वल' में दो आधे 'ज' का प्रयोग होता है (उत् + ज्वल = उज्ज्वल)।

विकल्प	विश्लेषण
(A)	एक 'ज' पूरा है, जो अशुद्ध है।
(B)	एक 'ज' लुप्त है।
(C)	सही उत्तर। मानक शुद्ध वर्तनी।
(D)	'ऊ' का प्रयोग गलत है।

Q.5 निम्नांकित मुहावरे के रिक्त स्थान के लिए सर्वाधिक उपयुक्त शब्द कौन-सा है?
अपनी खिचड़ी अलग _____ ।

A. पीना
B. खाना
C. बनाना
D. पकाना

Answer: D

Sol: **सही उत्तर: (D) अपनी खिचड़ी अलग पकाना**
व्याख्या:

- "अपनी खिचड़ी अलग पकाना" एक प्रसिद्ध मुहावरा है जिसका अर्थ होता है अपनी अलग सोच या अपनी अलग योजना बनाना।
- यह मुहावरा तब इस्तेमाल होता है जब कोई व्यक्ति अन्य लोगों से भिन्न तरीके से सोचता या काम करता है।
- इस मुहावरे में "पकाना" शब्द का प्रयोग यह दर्शाने के लिए किया जाता है कि व्यक्ति किसी काम को अपनी तरह से करता है।
- **वाक्य प्रयोग:**
- राजू हमेशा अपनी खिचड़ी अलग पकाता है, जब सभी लोग एक ही योजना पर काम कर रहे थे, तो उसने अपनी अलग योजना बनाई और उसमें सफलता प्राप्त की।

विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण	सही / गलत
A) पीना	'पीना' शब्द इस मुहावरे में उपयुक्त नहीं है, क्योंकि इसका इस संदर्भ में कोई अर्थ नहीं निकलता।	गलत
B) खाना	'खाना' का भी इस मुहावरे में उपयुक्त प्रयोग नहीं है, क्योंकि यह अर्थ की सही दिशा में नहीं है।	गलत
C) बनाना	'बनाना' शब्द का प्रयोग भी सही नहीं है, क्योंकि यह मुहावरे के संदर्भ से मेल नहीं खाता।	गलत
D) पकाना	'पकाना' इस मुहावरे में उपयुक्त है क्योंकि यह दर्शाता है कि व्यक्ति अपनी अलग योजना या रास्ता अपनाता है।	सही

निष्कर्ष:

- "अपनी खिचड़ी अलग पकाना" मुहावरा सही रूप से व्यक्त करता है कि कोई व्यक्ति अपनी अलग राय या योजना बनाता है,
- **इसलिए सही उत्तर: (D) अपनी खिचड़ी अलग पकाना**

Q.6 कबीर के अकाट्य तर्क को काटने की क्षमता किसी में क्यों नहीं थी?
निर्देश: नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें।
कबीर ने समाज में रहकर समाज का समीप से निरिक्षण किया। समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का उन्होंने पुष्ट प्रमाण लेकर ऐसा दृढ विरोध किया कि किसी की हिम्मत नहीं हुई जो उनके अकाट्य तर्को को काट सके। कबीर का व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। इस प्रकार उन्होंने समाज तथा धर्म की बुराइयों को निकाल-निकालकर सबके सामने रखा, ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगनेवालों के नकली चेहरों को सबको दिखाया और दीन-दलितों को ऊपर उठने का उपदेश देकर, अपने व्यक्तित्व को सुधारकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत कर सिद्धांतो का निरूपण किया। कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया कर्मकाण्ड व मूर्तिपूजा का विरोध किया। अपनी साखियों, रमैनियों तथा शब्दों को बोलचाल की भाषा में रखकर सबके सामने एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। इस प्रकार कबीर ने समन्वयवादी दृष्टिकोण अपनाया और कथनी-करनी एकता पर बल दिया। वे महान युगद्रष्टा, समाज सुधारक तथा महान कवि थे। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम के बीच समन्वय की धारा प्रवाहित कर दोनों को ही शीतलता प्रदान की।

A. उन्होंने सामाजिक गतिविधियों का गहराई से निरीक्षण किया था
B. कबीर अपने समय के महान विद्वान थे
C. उन्होंने शास्त्रों का गंभीर अध्ययन किया था
D. वे वाद-विवाद में बड़े कुशल थे

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या:
गद्यांश की पहली और दूसरी पंक्ति के अनुसार, कबीर ने समाज का बहुत करीब से निरीक्षण किया था और वे जो भी विरोध करते थे, उसके पीछे उनके पास 'पुष्ट प्रमाण' होते थे। इन्हीं प्रमाणों और सूक्ष्म निरीक्षण के कारण उनके तर्कों को काटना संभव नहीं था।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	सही उत्तर। गद्यांश में स्पष्ट है कि उनके तर्कों का आधार उनका सामाजिक निरीक्षण और पुष्ट प्रमाण थे।
(B)	अशुद्ध। गद्यांश उनकी विद्वत्ता से अधिक उनके निरीक्षण और तर्कों की शक्ति पर बल देता है।
(C)	अशुद्ध। कबीर को 'मसि कागद छूयो नहीं' माना जाता है, गद्यांश भी उनके निरीक्षण की बात करता है, शास्त्रों की नहीं।
(D)	अशुद्ध। वे कुशल जरूर थे, पर उनके तर्कों की शक्ति का मूल कारण उनका 'निरीक्षण' बताया गया है।

Q.7 समाज सुधारक के रूप में कबीर का क्या योगदान था?
निर्देश: नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें।
कबीर ने समाज में रहकर समाज का समीप से निरिक्षण किया। समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का उन्होंने पुष्ट प्रमाण लेकर ऐसा दृढ विरोध किया कि किसी की हिम्मत नहीं हुई जो उनके अकाट्य तर्को को काट सके। कबीर का व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। इस प्रकार उन्होंने समाज तथा धर्म की बुराइयों को निकाल-निकालकर सबके सामने रखा, ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगनेवालों के नकली चेहरों को सबको दिखाया और दीन-दलितों को ऊपर उठने का उपदेश देकर, अपने व्यक्तित्व को सुधारकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत कर सिद्धांतो का निरूपण किया। कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया कर्मकाण्ड व मूर्तिपूजा का विरोध किया। अपनी साखियों, रमैनियों तथा शब्दों को बोलचाल की भाषा में रखकर सबके सामने एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। इस प्रकार कबीर ने समन्वयवादी दृष्टिकोण

अपनाया और कथनी-करनी एकता पर बल दिया। वे महान युगद्रष्टा, समाज सुधारक तथा महान कवि थे। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम के बीच समन्वय की धारा प्रवाहित कर दोनों को ही शीतलता प्रदान की।

A. उन्होंने दीन-दलितों की मदद की
B. उन्होंने सामाजिक भेदभाव व साम्प्रदायिकता का दृढ़ता से विरोध किया
C. उन्होंने धर्म के प्रति अनास्था कायम की
D. उन्होंने आचरण की शुद्धता पर बल दिया

Answer: B

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (B)
व्याख्या:
गद्यांश के अनुसार, कबीर ने समाज में व्याप्त बाह्याडंबरों, भेदभाव और साम्प्रदायिकता का कड़ा विरोध किया और समाज की बुराइयों को सबके सामने रखा। यही एक समाज सुधारक के रूप में उनका सबसे बड़ा योगदान था।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	अशुद्ध। उन्होंने उन्हें ऊपर उठने का उपदेश दिया, पर मुख्य सुधारक कार्य बुराइयों का विरोध था।
(B)	सही उत्तर। सामाजिक भेदभाव और साम्प्रदायिकता का विरोध करना ही उनका प्रमुख सुधारवादी कार्य था।
(C)	अशुद्ध। उन्होंने धर्म की बुराइयों का विरोध किया, धर्म का नहीं।
(D)	अशुद्ध। कथनी-करनी की एकता पर बल दिया, पर 'समाज सुधार' के संदर्भ में विकल्प (B) अधिक व्यापक है।

Q.8 कबीर ने किस प्रकार निर्गुण मार्ग का प्रसार किया?
निर्देश: नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें।
कबीर ने समाज में रहकर समाज का समीप से निरिक्षण किया। समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का उन्होंने पुष्ट प्रमाण लेकर ऐसा दृढ विरोध किया कि किसी की हिम्मत नहीं हुई जो उनके अकाट्य तर्को को काट सके। कबीर का व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। इस प्रकार उन्होंने समाज तथा धर्म की बुराइयों को निकाल-निकालकर सबके सामने रखा, ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगनेवालों के नकली चेहरों को सबको दिखाया और दीन-दलितों को ऊपर उठने का उपदेश देकर, अपने व्यक्तित्व को सुधारकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत कर सिद्धांतो का निरूपण किया। कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया कर्मकाण्ड व मूर्तिपूजा का विरोध किया। अपनी साखियों, रमैनियों तथा शब्दों को बोलचाल की भाषा में रखकर सबके सामने एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। इस प्रकार कबीर ने समन्वयवादी दृष्टिकोण अपनाया और कथनी-करनी एकता पर बल दिया। वे महान युगद्रष्टा, समाज सुधारक तथा महान कवि थे। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम के बीच समन्वय की धारा प्रवाहित कर दोनों को ही शीतलता प्रदान की।

A. प्राचीन सन्त-परम्परा का विरोध कर
B. व्यक्ति पूजा का खंडन करके
C. शास्त्रार्थ द्वारा
D. कर्मकांड और मूर्तिपूजा के विरोध द्वारा

Answer: D

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (D)
व्याख्या:
गद्यांश के मध्य भाग में स्पष्ट उल्लेख है कि कबीर ने 'निर्गुण मार्ग का प्रसार किया' और इसके लिए उन्होंने 'कर्मकाण्ड व मूर्तिपूजा का विरोध' किया।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	अशुद्ध। वे स्वयं संत परंपरा का हिस्सा थे।
(B)	अशुद्ध। गद्यांश में मूर्तिपूजा के विरोध को निर्गुण मार्ग के प्रसार का आधार बताया गया है।
(C)	अशुद्ध। उन्होंने अपनी बात साखियों और लोकभाषा के माध्यम से कही, न कि औपचारिक शास्त्रार्थ से।
(D)	सही उत्तर। कर्मकांड और मूर्तिपूजा का विरोध ही निर्गुण भक्ति की मुख्य विशेषता है।

Q.9 इनमें से कौन-सा 'विरोध' का पर्यायवाची नहीं है?
निर्देश: नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें।
कबीर ने समाज में रहकर समाज का समीप से निरिक्षण किया। समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का उन्होंने पुष्ट प्रमाण लेकर ऐसा दृढ विरोध किया कि किसी की हिम्मत नहीं हुई जो उनके अकाट्य तर्को को काट सके। कबीर का व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। इस प्रकार उन्होंने समाज तथा धर्म की बुराइयों को निकाल-निकालकर सबके सामने रखा, ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगनेवालों के नकली चेहरों को सबको दिखाया और दीन-दलितों को ऊपर उठने का उपदेश देकर, अपने व्यक्तित्व को सुधारकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत कर सिद्धांतो का निरूपण किया। कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया कर्मकाण्ड व मूर्तिपूजा का विरोध किया। अपनी साखियों, रमैनियों तथा शब्दों को बोलचाल की भाषा में रखकर सबके सामने एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। इस प्रकार कबीर ने समन्वयवादी दृष्टिकोण अपनाया और कथनी-करनी एकता पर बल दिया। वे महान युगद्रष्टा, समाज सुधारक तथा महान कवि थे। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम के बीच समन्वय की धारा प्रवाहित कर दोनों को ही शीतलता प्रदान की।

A. विसंगति
B. अवरोध
C. साहचर्य
D. संघर्ष

Answer: C

Sol:
सही उत्तर: विकल्प (C)
व्याख्या:
'विरोध' का अर्थ होता है खिलाफ होना या प्रतिरोध करना। जबकि 'साहचर्य' का अर्थ होता है साथ रहना, संगति या मित्रता। अतः यह विरोध का पर्यायवाची नहीं है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	अशुद्ध उत्तर। विसंगति का अर्थ तालमेल की कमी है, जो विरोध की एक स्थिति को दर्शाता है।
(B)	अशुद्ध उत्तर। अवरोध का अर्थ रुकावट या प्रतिरोध है, जो विरोध से संबंधित है।
(C)	सही उत्तर। साहचर्य (साथ/संगति) विरोध का विपरीत भाव प्रकट करता है।
(D)	अशुद्ध उत्तर। संघर्ष का अर्थ टकराव है, जो विरोध का ही एक रूप है।

Q.10 इस अनुच्छेद का कोई उपयुक्त शीर्षक चुनें:
निर्देश: नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर दें।
कबीर ने समाज में रहकर समाज का समीप से निरिक्षण किया। समाज में फैले बाह्याडंबर, भेदभाव, साम्प्रदायिकता आदि का उन्होंने पुष्ट प्रमाण लेकर ऐसा दृढ विरोध किया कि किसी की हिम्मत नहीं हुई जो उनके अकाट्य तर्को को काट सके। कबीर का व्यक्तित्व इतना ऊँचा था कि उनके सामने टिक सकने की हिम्मत किसी में नहीं थी। इस प्रकार उन्होंने समाज तथा धर्म की बुराइयों को निकाल-निकालकर सबके सामने रखा, ऊँचा नाम रखकर संसार को ठगनेवालों के नकली चेहरों को सबको दिखाया और दीन-दलितों को ऊपर उठने का उपदेश देकर, अपने व्यक्तित्व को सुधारकर सबके सामने एक महान आदर्श प्रस्तुत कर सिद्धांतो का निरूपण किया। कर्म, सेवा, अहिंसा तथा निर्गुण मार्ग का प्रसार किया कर्मकाण्ड व मूर्तिपूजा का विरोध किया। अपनी साखियों, रमैनियों तथा शब्दों को बोलचाल की भाषा में रखकर सबके सामने एक विशाल ज्ञानमार्ग खोला। इस प्रकार कबीर ने समन्वयवादी दृष्टिकोण अपनाया और कथनी-करनी एकता पर बल दिया। वे महान युगद्रष्टा, समाज सुधारक तथा महान कवि थे। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम के बीच समन्वय की धारा प्रवाहित कर दोनों को ही शीतलता प्रदान की।

A. समन्वयवादी सिद्धांत
B. कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण
C. साम्प्रदायिक समाज
D. संत और समाज

Answer: B

Sol:
सही उत्तर: विकल्प (B)
व्याख्या:
पूरे अनुच्छेद में कबीर द्वारा समाज को देखने के नजरिए, सामाजिक बुराइयों के प्रति उनके रुख और उनके सुधारवादी कार्यों का वर्णन है। अतः 'कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण' इसका सबसे उपयुक्त शीर्षक है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	अशुद्ध। यह केवल एक छोटे अंश (समन्वयवादी दृष्टिकोण) को कवर करता है।
(B)	सही उत्तर। यह शीर्षक पूरे गद्यांश के केंद्रीय विचार को समेटता है।

(C) अशुद्ध। यह केवल समस्या को बताता है, कबीर के योगदान को नहीं।

(D) अशुद्ध। यह बहुत सामान्य शीर्षक है, गद्यांश विशेष रूप से कबीर पर केंद्रित है।

Q.1 **Select the word which means the same as the group of words given.**
One who is all powerful.

A. Omnipresent
B. Omnipotent
C. Optimist
D. Omniscient

Answer: B

Sol:

The correct one-word substitution for "one who is all powerful" is (b) omnipotent.
· "Omnipotent" precisely describes someone with unlimited power, fitting the context of describing a supremely powerful being or entity.
· **Correct word:** सर्वशक्तिमान (Omnipotent in Hindi)
· **Use in a sentence:** The king was considered **omnipotent** in his realm.
· **Meanings of the given other options:**
· Option a: **Omnipresent** - Being present everywhere at the same time.
· Option c: **Optimist** - A person who tends to be hopeful and confident about the future.
· Option d: **Omniscient** - Knowing everything.

Q.2 **Select the most appropriate meaning of the given idiom.**
In the blink of an eye

A. Make someone confused
B. Become very confused
C. In an extremely short time
D. Do something dangerous out of excitement

Answer: C

Sol:

In the blink of an eye: This expression is used to describe an extremely brief moment, comparable to the duration it takes for one to blink. It often highlights the suddenness of changes or events.
Example: The magician made the bird disappear **in the blink of an eye**, leaving the audience astonished.

Q.3 **In the given question, choose the option that correctly identifies the Part of Speech of the highlighted word.**
He is willing, yet unable to undertake the onerous task.

A. Adverb
B. Conjunction
C. Preposition
D. Interjection

Answer: B

Sol:

The highlighted word "**yet**" in the given sentence functions as a **Conjunction**.

• **Conjunction:** A word used to **join words, phrases, or clauses**.

• In the given sentence, "**yet**" joins two contrasting ideas:

· *He is willing*

· *[he is] unable to undertake the onerous task*

• The word "**yet**" here means "**but / however**", which is the function of a **coordinating conjunction** expressing contrast.

Grammatical rule used:

Conjunctions like **and, but, yet, or, so** are used to connect **two independent clauses** or contrasting ideas.

Example:

He is rich, yet unhappy.

She tried hard, yet failed.

Why other options are incorrect:

• **(a) Adverb** → An adverb modifies a verb, adjective, or another adverb; *yet* does not modify here.

• **(c) Preposition** → A preposition is followed by an object; *yet* has no object here.

• **(d) Interjection** → Interjections express sudden emotions (e.g., wow, alas); *yet* does not express emotion.

Hence, option **(b)** is the correct answer.

Q.4 **Parts of the following sentence have been given as options. Select the option that contains an error.**

Ravi will go to the England.

A. the England
B. will
C. Ravi
D. go to

Answer: A

Sol:

Option (a) contains an error.

· The error in the segment "the England" arises from the incorrect use of the definite article "the" before a country name that does not normally require it. The standard expression is simply "England."

· **Grammatical rule used:** In English, the definite article "the" is generally used before names of countries that are plural or that include words like republic, kingdom, or states (e.g., the United States, the United Kingdom). Singular country names like England do not take "the."

· **Example:** He moved to England last year. **(not "the England.")**

Q.5 **Select the most appropriate synonym of the given word.**
PREROGATIVE

A. obligation
B. duty
C. privilege
D. liability

Answer: C

Sol:

The correct synonym of the given word "PREROGATIVE" is (c) privilege.

· **Prerogative**: This term refers to a right or privilege exclusive to a particular individual or class. In legal and formal contexts, it implies a special right or privilege that allows an individual to perform certain actions that are not generally accessible to everyone.

· **Prerogative**: विशेषाधिकार (in Hindi).

Example: It is the manager's **prerogative** to allocate funds within his department.

· **Privilege**: This word also denotes a special right, advantage, or immunity granted or available only to a particular person or group of people, aligning well with the meaning of "prerogative."

Example: Enjoying diplomatic immunity is a **privilege** granted to diplomats.

· **Synonyms**: right, entitlement, advantage, **privilege**.

· **Antonyms**: disadvantage, duty, obligation, penalty.

Meanings of all the other given options:

· **Obligation**: A duty or commitment; it's something one is bound to do, quite different from a privilege.

· **Duty**: A moral or legal obligation; a responsibility, not a privilege.

· **Liability**: A state of being responsible for something, especially in legal or financial terms; again, not synonymous with privilege.

Q.6 **Extremely warm climate will affect some areas as follows:**
Read the passage and answer the question that follows by choosing the most appropriate option:

Adda247 GET IT ON Google Play

As a result of increasing human population and impact of its activities on natural resources, Earth's environment has undergone significant changes, especially during the latter half of the twentieth century.
One of the changes is an increase in the concentration of Carbon dioxide and other greenhouse gases in the lower layers and Ozone depletion in the upper layers of the atmosphere causing a gradual increase in surface air temperature. The Earth has been suffering from fever and the two lead culprits of this phenomenon are Carbon emissions and Ozone depleting substances.
A warmer world will have both beneficial and harmful effects but poor nations in the tropics will suffer the most.
Some areas will benefits because of less severe winters, more precipitation in some dry areas, less precipitation in wet areas and increased food production. Some plant and animal species adapted to higher temperatures may be able to expand their population and range.
Other areas will suffer from excessive heat, lack of water and decreased food production. Wildfires in forests and grasslands are likely to increase where the climate becomes drier. Trees would suffer from diseases and pest population would go up. Plants and animal species, unable to migrate or adapt to higher temperatures, are likely to be reduced.
Shifts in regional climate will also threaten parks, wild reserves, wetlands and coral reefs. Other ecosystems likely to be disrupted are polar seas, coastal wetlands, alpine tundra, and higher altitude mountain tops. So climate change has become one of the prime issues threatening the sustainability of the World's environment.

A. Lack of water will reduce food production and wildfires in forest will be rampant.
B. Grassland will be greener.
C. Large sections of the human population will migrate to other areas.
D. Population of plants and animals will increase.

Answer: A

Sol:

The passage explains that **excessive heat** will lead to **water scarcity**, **decreased food production**, and an increase in **wildfires in forests and grasslands**. It also mentions that plants and animals unable to adapt to higher temperatures will suffer. This aligns with option **(a)**.
Why the other options are incorrect:
· **(b) Grassland will be greener**: Incorrect. The passage mentions that a drier climate will cause wildfires in grasslands, not make them greener.
· **(c) Large sections of the human population will migrate to other areas**: While migration might occur due to climate change, the passage does not specifically mention this.
· **(d) Population of plants and animals will increase**: Incorrect. The passage states that plant and animal populations unable to adapt will **decrease**.

Q.7 **A warmer world is the result of**

Read the passage and answer the question that follows by choosing the most appropriate option:
As a result of increasing human population and impact of its activities on natural resources, Earth's environment has undergone significant changes, especially during the latter half of the twentieth century.
One of the changes is an increase in the concentration of Carbon dioxide and other greenhouse gases in the lower layers and Ozone depletion in the upper layers of the atmosphere causing a gradual increase in surface air temperature. The Earth has been suffering from fever and the two lead culprits of this phenomenon are Carbon emissions and Ozone depleting substances.
A warmer world will have both beneficial and harmful effects but poor nations in the tropics will suffer the most.
Some areas will benefits because of less severe winters, more precipitation in some dry areas, less precipitation in wet areas and increased food production. Some plant and animal species adapted to higher temperatures may be able to expand their population and range.
Other areas will suffer from excessive heat, lack of water and decreased food production. Wildfires in forests and grasslands are likely to increase where the climate becomes drier. Trees would suffer from diseases and pest population would go up. Plants and animal species, unable to migrate or adapt to higher temperatures, are likely to be reduced.
Shifts in regional climate will also threaten parks, wild reserves, wetlands and coral reefs. Other ecosystems likely to be disrupted are polar seas, coastal wetlands, alpine tundra, and higher altitude mountain tops. So climate change has become one of the prime issues threatening the sustainability of the World's environment.

A. enhanced effect of greenhouse gases
B. air pollution
C. ozone depletion
D. carbon emission and ozone depleting substances

Answer: D

Sol:

The passage clearly attributes a warmer world to **carbon emissions** and **ozone-depleting substances**. These two factors are the main causes of **increased greenhouse gases** and **ozone depletion**, which lead to global warming.
Why the other options are incorrect:
· **Enhanced effect of greenhouse gases**: Partially correct but incomplete, as it doesn't mention ozone-depleting substances.
· **Air pollution**: Incorrect. While air pollution contributes to environmental degradation, it is not directly cited as the primary cause of global warming in the passage.
· **Ozone depletion**: Partially correct but incomplete, as it does not mention carbon emissions.

Q.8 **What will be the fallout of climate change?**

Read the passage and answer the question that follows by choosing the most appropriate option:
As a result of increasing human population and impact of its activities on natural resources, Earth's environment has undergone significant changes,

Adda247
GET IT ON Google Play

especially during the latter half of the twentieth century.
One of the changes is an increase in the concentration of Carbon dioxide and other greenhouse gases in the lower layers and Ozone depletion in the upper layers of the atmosphere causing a gradual increase in surface air temperature. The Earth has been suffering from fever and the two lead culprits of this phenomenon are Carbon emissions and Ozone depleting substances.
A warmer world will have both beneficial and harmful effects but poor nations in the tropics will suffer the most.
Some areas will benefits because of less severe winters, more precipitation in some dry areas, less precipitation in wet areas and increased food production. Some plant and animal species adapted to higher temperatures may be able to expand their population and range.
Other areas will suffer from excessive heat, lack of water and decreased food production. Wildfires in forests and grasslands are likely to increase where the climate becomes drier. Trees would suffer from diseases and pest population would go up. Plants and animal species, unable to migrate or adapt to higher temperatures, are likely to be reduced.
Shifts in regional climate will also threaten parks, wild reserves, wetlands and coral reefs. Other ecosystems likely to be disrupted are polar seas, coastal wetlands, alpine tundra, and higher altitude mountain tops. So climate change has become one of the prime issues threatening the sustainability of the World's environment.

A. Water levels in oceans will go down.
B. Coral reefs and wetlands will be in danger.
C. Alpine tundra region will be colder.
D. Ecology will not be affected.

Answer: B

Sol:
The passage mentions that **regional climate shifts** will threaten ecosystems like **parks, wild reserves, wetlands, and coral reefs**. These disruptions are a direct consequence of climate change.
Why the other options are incorrect:
· **(a) Water levels in oceans will go down**: Incorrect. The passage does not mention a decrease in water levels; instead, rising temperatures can cause **rising sea levels**.
· **(c) Alpine tundra region will be colder**: Incorrect. The passage suggests that alpine tundra regions will be disrupted, not colder.
· **(d) Ecology will not be affected**: Incorrect. The passage explicitly states that ecosystems like polar seas, wetlands, and coral reefs will be disrupted.

Q.9 Earth's environment has been impacted by
Read the passage and answer the question that follows by choosing the most appropriate option:
As a result of increasing human population and impact of its activities on natural resources, Earth's environment has undergone significant changes, especially during the latter half of the twentieth century.
One of the changes is an increase in the concentration of Carbon dioxide and other greenhouse gases in the lower layers and Ozone depletion in the upper layers of the atmosphere causing a gradual increase in surface air temperature. The Earth has been suffering from fever and the two lead culprits of this phenomenon are Carbon emissions and Ozone depleting substances.
A warmer world will have both beneficial and harmful effects but poor nations in the tropics will suffer the most.
Some areas will benefits because of less severe winters, more precipitation in some dry areas, less precipitation in wet areas and increased food production. Some plant and animal species adapted to higher temperatures may be able to expand their population and range.
Other areas will suffer from excessive heat, lack of water and decreased food production. Wildfires in forests and grasslands are likely to increase where the climate becomes drier. Trees would suffer from diseases and pest population would go up. Plants and animal species, unable to migrate or adapt to higher temperatures, are likely to be reduced.
Shifts in regional climate will also threaten parks, wild reserves, wetlands and coral reefs. Other ecosystems likely to be disrupted are polar seas, coastal wetlands, alpine tundra, and higher altitude mountain tops. So climate change has become one of the prime issues threatening the sustainability of the World's environment.

A. uncontrolled rise in population
B. increasing human population and over-exploitation of natural resources
C. depleting natural resources
D. overuse of technology

Answer: B

Sol:
The passage highlights that Earth's environment has undergone significant changes due to the **increasing human population** and its **impact on natural resources**, especially during the 20th century.
Why the other options are incorrect:
· **(a) Uncontrolled rise in population**: Partially correct but does not include the over-exploitation of natural resources.
· **(c) Depleting natural resources**: Partially correct but does not mention population growth.
· **(d) Overuse of technology**: Incorrect. The passage focuses on population growth and resource exploitation, not technology.

Q.10 Choose the pair of words from the following which comes closest in meaning to 'depletion' and 'culprit' in the context of the above passage.
Read the passage and answer the question that follows by choosing the most appropriate option:
As a result of increasing human population and impact of its activities on natural resources, Earth's environment has undergone significant changes, especially during the latter half of the twentieth century.
One of the changes is an increase in the concentration of Carbon dioxide and other greenhouse gases in the lower layers and Ozone depletion in

Adda247 GET IT ON Google Play

the upper layers of the atmosphere causing a gradual increase in surface air temperature. The Earth has been suffering from fever and the two lead culprits of this phenomenon are Carbon emissions and Ozone depleting substances.
A warmer world will have both beneficial and harmful effects but poor nations in the tropics will suffer the most.
Some areas will benefits because of less severe winters, more precipitation in some dry areas, less precipitation in wet areas and increased food production. Some plant and animal species adapted to higher temperatures may be able to expand their population and range.
Other areas will suffer from excessive heat, lack of water and decreased food production. Wildfires in forests and grasslands are likely to increase where the climate becomes drier. Trees would suffer from diseases and pest population would go up. Plants and animal species, unable to migrate or adapt to higher temperatures, are likely to be reduced.
Shifts in regional climate will also threaten parks, wild reserves, wetlands and coral reefs. Other ecosystems likely to be disrupted are polar seas, coastal wetlands, alpine tundra, and higher altitude mountain tops. So climate change has become one of the prime issues threatening the sustainability of the World's environment.

A. consequence; responsible
B. decrease; irresponsible
C. decline; convict
D. reduction; cause

Answer: D

Sol:

· **Depletion** refers to "reduction," as in the **reduction of natural resources or ozone layer**.
· **Culprit** refers to "cause," as in the **main factors responsible** for global warming (carbon emissions and ozone-depleting substances).
Why the other options are incorrect:
· **(a) Consequence; responsible**: Incorrect. "Depletion" refers to reduction, not consequence.
· **(b) Decrease; irresponsible**: Incorrect. "Irresponsible" is unrelated to "culprit," which refers to the cause.
· **(c) Decline; convict**: Incorrect. "Convict" refers to a person found guilty, which does not fit the context of "culprit."

Adda247

Q.1 भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद यह कहता है कि संघ को हिंदी के प्रसार को बढ़ावा देना चाहिए और हिंदी को अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में विकसित करना चाहिए?

A. अनुच्छेद 352
B. अनुच्छेद 350
C. अनुच्छेद 351
D. अनुच्छेद 353

Answer: C

Sol: Solution: सही उत्तर है (c) अनुच्छेद 351।

Explanation:
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 351 विशेष रूप से हिंदी के प्रचार और विकास से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि संघ हिंदी के प्रसार को बढ़ावा देगा और इसे संघ के सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप में विकसित करेगा। यह अनुच्छेद यह सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया गया था कि हिंदी पूरे भारत में संचार, प्रशासन और सांस्कृतिक एकीकरण की भाषा के रूप में विकसित हो।

Information Booster:
→अनुच्छेद 351 सरकारी कार्यों में हिंदी के उपयोग के साथ-साथ एक साहित्यिक और वैज्ञानिक भाषा के रूप में इसकी प्रगति को भी प्रोत्साहित करता है।
→इसका उद्देश्य भाषाई विविधता का सम्मान करते हुए, आधिकारिक उद्देश्यों के लिए हिंदी के साथ अंग्रेजी को धीरे-धीरे प्रतिस्थापित करना भी है, लेकिन एक प्रगतिशील और स्वैच्छिक तरीके से।

Additional Knowledge:
→जबकि हिंदी को बढ़ावा दिया जाता है, संविधान आठवीं अनुसूची के माध्यम से अन्य भाषाओं के अधिकारों की भी रक्षा करता है, जिससे भाषाई सद्भाव सुनिश्चित होता है।
→अनुच्छेद 343 से 351 सामूहिक रूप से भारत में भाषा प्रावधानों को संभालते हैं, जिसमें अनुच्छेद 343 हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की आधिकारिक भाषा घोषित करता है, और अनुच्छेद 351 इसके प्रचार और विकास के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

Q.2 स्कूल के बगीचे में, एक शिक्षिका 'बीज' पर पाठ पढ़ा रही थी। शिक्षिका के मूल्यांकन लक्ष्य क्या होने चाहिए?
I. छात्र गाजर के बीज बोएँगे।
II. छात्र विभिन्न प्रकार के बीजों के रंग, आकार और बनावट की तुलना करने के लिए इंद्रियों का उपयोग करेंगे।
III. छात्र बीजों का उपयोग करके एक कोलाज बनाएंगे।

A. I और II
B. I, II और III
C. केवल III
D. केवल I

Answer: B

Sol: Solution: सही उत्तर: (b) I, II और III

Explanation:
जब एक शिक्षिका स्कूल के बगीचे में "बीज" पर पाठ पढ़ा रही होती है, तो मूल्यांकन को न केवल तथ्यात्मक ज्ञान की जाँच करनी चाहिए बल्कि कौशल, अवलोकन, रचनात्मकता और समझ पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
इसलिए, तीनों कथन—
बीज बोना (I) व्यावहारिक समझ और अनुप्रयोग की जाँच करता है,
तुलना करने के लिए इंद्रियों का उपयोग करना (II) अवलोकन और वर्गीकरण कौशल की जाँच करता है, और
बीजों का उपयोग करके कोलाज बनाना (III) रचनात्मकता और विविधता की समझ की जाँच करता है—
एक साथ अनुभवात्मक शिक्षण के लिए व्यापक मूल्यांकन लक्ष्य बनाते हैं।

Information Booster:
ईवीएस (पर्यावरण अध्ययन) में, मूल्यांकन प्रक्रिया-आधारित होता है और इस पर केंद्रित होता है:
→अवलोकन (समानताएँ और अंतर देखना),
→अन्वेषण (बीज बोने जैसी गतिविधियाँ करना), और
→अभिव्यक्ति (समझ को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करना)।
इसलिए, शिक्षिका केवल स्मृति की नहीं, बल्कि कौशल, दृष्टिकोण और अवधारणाओं का मूल्यांकन करती है।

Additional Knowledge:
→बीज बोने और तुलना करने जैसी गतिविधियाँ अनुभवात्मक शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं, कक्षा के ज्ञान को वास्तविक जीवन के संदर्भों से जोड़ती हैं।
→ऐसे पाठ छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव, जिज्ञासा और पर्यावरणीय संवेदनशीलता विकसित करते हैं।
→यह दृष्टिकोण NEP 2020 और NCERT के EVS शिक्षणशास्त्र के अनुरूप है, जो करके सीखने और एकीकृत मूल्यांकन पर ज़ोर देता है।

Q.3 प्राथमिक विद्यालय स्तर पर सामाजिक विज्ञान सीखने का उद्देश्य क्या है?
I. छात्रों को उनके भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना।
II. छात्रों को समाज में असामाजिक होने में मदद करना।

A. I और II दोनों
B. केवल I
C. न तो I और न ही II

D. केवल II

Answer: B

Sol: Solution: सही उत्तर है (b) केवल I।

Explanation:

प्राथमिक विद्यालय स्तर पर सामाजिक विज्ञान सीखने का उद्देश्य मुख्य रूप से छात्रों को उनके पर्यावरण—भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक—को समझने में मदद करना है। यह उनके समुदाय, परंपराओं, इतिहास और उनके आस-पास की दुनिया के बारे में जागरूकता विकसित करता है। यह समझ उन्हें जिम्मेदार, सूचित और सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्ति बनने में मदद करती है।

कथन II ("छात्रों को समाज में असामाजिक होने में मदद करना") गलत है क्योंकि सामाजिक विज्ञान सामाजिक संपर्क, सहयोग और सहानुभूति को प्रोत्साहित करता है, न कि इसके विपरीत।

Information Booster:

प्राथमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान सीखने से बच्चों को आलोचनात्मक सोच, अवलोकन और समाज में कारण-प्रभाव संबंधों को समझने जैसे कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। यह उन्हें स्थानीय और वैश्विक संस्कृतियों, इतिहास और भूगोल से परिचित कराकर पहचान और अपनत्व की भावना का भी निर्माण करता है।

Additional Knowledge:

प्राथमिक सामाजिक विज्ञान शिक्षा में अक्सर परिवार, पड़ोस, त्यौहार, प्राकृतिक संसाधन और बुनियादी नागरिक कर्तव्यों जैसे विषय शामिल होते हैं। इन पाठों का उद्देश्य छात्रों को समाज का जागरूक, जिम्मेदार और सहभागी सदस्य बनाना है, जो अच्छी नागरिकता के लिए नींव रखते हैं।

Q.4 ईवीएस पाठ्यक्रम में, ईंधन का विषय प्रमुख विषय 'यात्रा' के अंतर्गत आता है। ईंधन के संबंध में किन पहलुओं को एकीकृत तरीके से पढ़ाया जा सकता है?

I. बिजली उत्पादन में जीवाश्म ईंधन की भूमिका

II. पेट्रोल और डीजल के उपयोग के उद्देश्य

III. यात्रा के साधन

A. I, II और III

B. II और III

C. I और III

D. I और II

Answer: B

Sol: Solution: सही उत्तर — (b) II और III

Explanation:

ईवीएस (पर्यावरण अध्ययन) पाठ्यक्रम में, विषय 'यात्रा' को बच्चों को यात्रा के विभिन्न साधनों और उन्हें शक्ति देने वाले ईंधनों को समझने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इस विषय के अंतर्गत, निम्नलिखित पहलुओं को एकीकृत रूप से पढ़ाया जा सकता है:

पेट्रोल और डीजल के उपयोग के उद्देश्य (II):

छात्र सीखते हैं कि विभिन्न वाहन—जैसे बसें, कारें और मोटरसाइकिलें—चलने के लिए पेट्रोल या डीजल का उपयोग करते हैं। यह ईंधन की खपत के विचार को सीधे परिवहन से जोड़ता है।

यात्रा के साधन (III):

बच्चे यात्रा के विभिन्न साधनों—पैदल चलना, साइकिल चलाना, ईंधन का उपयोग करने वाले वाहन, और यहां तक कि इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे पर्यावरण के अनुकूल साधनों का पता लगाते हैं। यह उन्हें यह जोड़ने में मदद करता है कि ईंधन दैनिक जीवन में आवाजाही और यात्रा से कैसे संबंधित हैं।

जीवाश्म ईंधन से बिजली उत्पादन (I) की अवधारणा उच्च कक्षाओं के लिए या "कार्य और ऊर्जा" विषय के तहत अधिक उपयुक्त है, न कि सीधे "यात्रा" विषय के तहत।

Information Booster:

→ईवीएस पाठ्यक्रम एकीकृत अधिगम पर ज़ोर देता है, जहाँ विज्ञान, सामाजिक अध्ययन और पर्यावरण जागरूकता को वास्तविक जीवन के विषयों के माध्यम से जोड़ा जाता है।

'यात्रा' विषय छात्रों को समझने में मदद करता है:

→वाहनों को ईंधन की आवश्यकता क्यों होती है।

→उपयोग किए जाने वाले विभिन्न ईंधन (पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, बिजली)।

→ईंधन संरक्षण और विकल्पों का उपयोग करने का महत्व।

Additional Knowledge:

→ईंधन और पर्यावरण: पेट्रोल और डीजल जलाने से कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसें निकलती हैं, जो वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन में योगदान करती हैं।

→वैकल्पिक ईंधन: इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा से चलने वाला परिवहन, और साइकिल टिकाऊ यात्रा को बढ़ावा देते हैं।

→शैक्षिक गतिविधि विचार: बच्चे उपयोग किए जाने वाले ईंधन के प्रकार—पेट्रोल, डीजल, बिजली, या मानवीय प्रयास—के आधार पर वाहनों को वर्गीकृत कर सकते हैं।

Q.5 कक्षा IV में एक पर्यावरण अध्ययन (Environmental Studies) की शिक्षिका "हमें अपना भोजन कैसे मिलता है?" विषय पर चर्चा कर रही है। शिक्षिका इस विषय के संबंध में छात्रों से क्या प्रश्न पूछ सकती है?

A. बहुत से लोग एक साथ कब खाते हैं?

B. क्या आप अपने आसपास के जानवरों को खाना खिलाते हैं?

C. क्या आपने चावल/गेहूं/दाल आदि के पौधे देखे हैं?

D. हम विभिन्न खाद्य पदार्थों का स्वाद कैसे लेते हैं?

Answer: C

Sol: Solution: सही उत्तर — (c) क्या आपने चावल/गेहूं/दाल आदि के पौधे देखे हैं?

Explanation:

जब एक शिक्षिका पर्यावरण अध्ययन (EVS) में "हमें अपना भोजन कैसे मिलता है" पर चर्चा करती है, तो इसका उद्देश्य बच्चों को भोजन के स्रोतों — जैसे पौधों और जानवरों को समझने में मदद करना होता है।

"क्या आपने चावल/गेहूं/दाल आदि के पौधे देखे हैं?" पूछकर, शिक्षिका छात्रों को उनके द्वारा खाए जाने वाले भोजन को फसलों और पौधों से उसके मूल से जोड़ने में मदद करती है, जिससे अवलोकन-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित किया जाता है।

Information Booster:
इस प्रकार का प्रश्न अनुभवात्मक अधिगम (experiential learning) को बढ़ावा देता है, जहाँ छात्र अपने कक्षा ज्ञान को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं — जैसे खेतों या बाजारों में फसलों को देखना। यह जिज्ञासा और जागरूकता भी विकसित करता है कि भोजन कैसे उगाया जाता है, काटा जाता है और हमारी थाली तक पहुँचता है।
Additional Knowledge:
→भोजन मुख्य रूप से दो स्रोतों से आता है — पौधों और जानवरों से।
→चावल, गेहूं, दालें, सब्जियाँ और फल जैसी फसलें पौधे-आधारित खाद्य पदार्थ हैं।
→दूध, अंडे और माँस जानवर-आधारित खाद्य पदार्थ हैं।
→EVS शिक्षक अक्सर ऐसे विषयों को छात्रों के लिए अधिक सार्थक और व्यावहारिक बनाने के लिए अवलोकन, कहानी सुनाने और क्षेत्र भ्रमण का उपयोग करते हैं।

Q.6 _____ को छोड़कर **RTE** अधिनियम **2005** ने देश में प्रारंभिक शिक्षा में सुधार के लिए **SMC** को अधिकार दिया है।

A. बुनियादी ढांचागत सुविधाओं की व्यवस्था और रखरखाव करने
B. स्कूल विकास योजना तैयार करने
C. सामान्य छात्रों को प्राथमिकता देने
D. स्कूल से बाहर के बच्चों को स्कूल लाने

Answer: C

Sol: सही उत्तर है (c) सामान्य छात्रों को प्राथमिकता देने
Explanation:
शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के तहत, स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) को समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है। दूसरों पर 'सामान्य' छात्रों को प्राथमिकता देना समानता और समावेश के सिद्धांत का उल्लंघन करता है। RTE अधिनियम स्पष्ट रूप से वंचित समूहों और विकलांग बच्चों के अधिकारों को बढ़ावा देता है, यह सुनिश्चित करता है कि स्कूल के माहौल में किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव न किया जाए।
Information Booster:

- **समावेशी जनादेश:** SMC को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों सहित सभी पृष्ठभूमि के बच्चों को समान अवसर मिले।
- **सामुदायिक भागीदारी:** SMC में स्कूल और समुदाय के बीच की खाई को पाटने के लिए माता-पिता और स्थानीय हितधारक शामिल होते हैं।
- **SDP का निर्माण:** SMC के मुख्य कर्तव्यों में से एक स्कूल विकास योजना (SDP) तैयार करना और उसकी सिफारिश करना है।
- **अनुदान की निगरानी:** समिति सरकार या अन्य स्रोतों से प्राप्त अनुदान के उपयोग की निगरानी करती है।
- **नामांकन पर ध्यान:** वे अपने स्थानीय क्षेत्र में 'स्कूल से बाहर' के बच्चों की पहचान करने और उनका नामांकन करने के लिए जिम्मेदार हैं।

Additional Points:

- • विकल्प (a): मुख्य कार्य – सुरक्षित सीखने का माहौल सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे को बनाए रखना SMC का प्राथमिक कर्तव्य है।
- • विकल्प (b): रणनीतिक योजना – SDP एक वैधानिक आवश्यकता है जिसे SMC को अधिनियम की धारा 22 के तहत पूरा करना चाहिए।
- • विकल्प (d): सामाजिक कर्तव्य – नामांकित न होने वाले बच्चों के लिए खाई को पाटना सार्वभौमिक प्रारंभिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

इसलिए सही उत्तर है (c)

Q.7 **PWD** अधिनियम **1995** और **RTE** अधिनियम **2009** संयुक्त रूप से विशेष बच्चों और सामान्य बच्चों को क्रमशः किस आयु तक मुफ्त शिक्षा प्रदान करते हैं?

A. 14 वर्ष और 11 वर्ष
B. 12 वर्ष और 16 वर्ष
C. 18 वर्ष और 16 वर्ष
D. 18 वर्ष और 14 वर्ष

Answer: D

Sol: **सही उत्तर (d) 18 वर्ष और 14 वर्ष है**

व्याख्या:

शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम 2009, 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का आदेश देता है। हालाँकि, विकलांग बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं को स्वीकार करते हुए, दिव्यांग व्यक्ति (PWD) अधिनियम 1995 (और बाद में RPWD अधिनियम 2016) इस प्रावधान को 18 वर्ष की आयु तक विस्तारित करता है। यह अंतर सुनिश्चित करता है कि विशेष बच्चों के पास अपनी आधारभूत स्कूली शिक्षा पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय और सहायता हो।

Information Booster:

- **RTE अधिनियम 2009:** अनुच्छेद 21-A के तहत संवैधानिक अधिकार जो 6-14 वर्ष के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करता है।
- **PWD अधिनियम 1995:** विकलांग लोगों के लिए समान अवसर और पूर्ण साझेदारी सुनिश्चित करने वाला अधिनियम, जिसे अब RPWD 2016 द्वारा बदल दिया गया है।
- **आयु विस्तार:** PWD अधिनियम की धारा 26 के अनुसार विकलांग बच्चों के लिए 18 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा का प्रावधान।
- **समावेशी शिक्षा:** उचित सहायता के साथ नियमित कक्षाओं में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को शिक्षित करने की नीति।
- **मौलिक अधिकार:** भारत में शिक्षा एक मौलिक अधिकार है, जो यह सुनिश्चित करता है कि राज्य सभी बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करे।

Additional Points:

- **विकल्प (a): 14 और 11:** गलत है क्योंकि 11 वर्ष भारत में मुफ्त शिक्षा के लिए कोई वैधानिक आयु सीमा नहीं है।
- **विकल्प (b): 12 और 16:** गलत है क्योंकि ये आयु किसी भी अधिनियम के कानूनी जनादेश के अनुरूप नहीं हैं।
- **विकल्प (c): 18 और 16:** गलत है; जबकि विशेष बच्चों के लिए 18 सही है, दूसरों के लिए सामान्य आयु सीमा 14 है, न कि 16।

इसलिए सही उत्तर (d) है

Q.8 गणित शिक्षा के व्यापक और संकीर्ण उद्देश्य निम्नलिखित में से कौन से हैं?

I. इष्टतमीकरण
II. अनुमानी विधियों का उपयोग
III. अनुमान और सन्निकटन
IV. निरूपण

A. II और III
B. I, II और IV
C. I, II, III और IV
D. II, III और IV

Answer: C

Sol: **Solution: सही उत्तर: (c) I, II, III और IV**

Explanation:

इष्टतमीकरण, अनुमानी विधियों का उपयोग, अनुमान और सन्निकटन, और निरूपण — ये चारों गणित शिक्षा के व्यापक और संकीर्ण उद्देश्य माने जाते हैं।
गणित शिक्षा का उद्देश्य केवल गणना और समस्या-समाधान ही नहीं है, बल्कि सोचने, तर्क करने और अनुप्रयोग कौशल विकसित करना भी है जिसमें ये सभी पहलू शामिल हैं।

Information Booster:

इष्टतमीकरण:
→इसका अर्थ है कई समाधानों में से सर्वोत्तम संभव समाधान खोजना।
छात्र कुशल विधियों को चुनना और संसाधनों का बुद्धिमानी से उपयोग करना सीखते हैं — यह एक व्यापक उद्देश्य है जो गणित को वास्तविक जीवन के निर्णय लेने से जोड़ता है (उदाहरण के लिए, लागत को कम करना, लाभ को अधिकतम करना)।
अनुमानी विधियों का उपयोग:
→समस्या-समाधान की रणनीतियों या "अंगूठे के नियमों" को संदर्भित करता है।
यह शिक्षार्थियों को केवल याद किए गए सूत्रों पर निर्भर रहने के बजाय स्वतंत्र रूप से और रचनात्मक रूप से सोचने में मदद करता है — यह एक संकीर्ण उद्देश्य है जो तार्किक तर्क को बढ़ाता है।
अनुमान और सन्निकटन:
→यह संख्यात्मक सटीकता और व्यावहारिकता की समझ विकसित करता है।
शिक्षार्थी समझते हैं कि सभी वास्तविक जीवन की समस्याओं के सटीक उत्तर नहीं होते हैं — यह मानसिक गणना और निर्णय आधारित तर्क को प्रोत्साहित करता है।
निरूपण:
→गणितीय विचारों को विभिन्न रूपों — प्रतीकों, आरेखों, ग्राफ़, समीकरणों या मौखिक स्पष्टीकरणों में व्यक्त करना शामिल है।
→यह गणितीय अवधारणाओं की समझ और संचार को मजबूत करता है।

Additional Knowledge:

→गणित शिक्षा के व्यापक उद्देश्य तार्किक सोच, तर्क और वास्तविक जीवन में अनुप्रयोग की आदतों को विकसित करने पर केंद्रित होते हैं।
→संकीर्ण उद्देश्य विशिष्ट कौशल और तकनीकों जैसे गणना, अनुमान, समस्या-समाधान की रणनीतियों और निरूपण से संबंधित होते हैं।
→एनसीटीएम (गणित शिक्षकों की राष्ट्रीय परिषद) और एनसीएफ (राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005) के अनुसार, गणित को शिक्षार्थियों की मदद करनी चाहिए:
→तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचें
→गणितीय रूप से संवाद करें
→अवधारणाओं को रोजमर्रा की स्थितियों में लागू करें
→गणित की सुंदरता और संरचना की सराहना करें

Q.9 निम्नलिखित में से कौन सा गणित में एक खुला-अंत वाला प्रश्न है?

A. 78, 83 और 91 का औसत ज्ञात कीजिए
B. 10, 15 और 85 का सबसे बड़ा सामान्य गुणनखंड ज्ञात कीजिए
C. 20 सेमी परिमाप वाला एक आयत बनाइए
D. 58 को 8 से भाग देने की गणना कीजिए

Answer: C

Sol: सही उत्तर है **c) 20 सेमी परिमाप वाला एक आयत बनाइए।**

व्याख्या:

खुला-अंत वाले प्रश्न कई संभावित समाधानों की अनुमति देते हैं। इस मामले में, 20 सेमी परिमाप वाले एक आयत में विभिन्न लंबाई-चौड़ाई संयोजन हो सकते हैं (उदाहरण के लिए, 4 सेमी × 6 सेमी, 5 सेमी × 5 सेमी, 2 सेमी × 8 सेमी)। यह रचनात्मकता, समस्या-समाधान और गणितीय अन्वेषण को बढ़ावा देता है।

Information Booster:

· **खुला-अंत वाले कार्य:** अपसारी चिंतन और कई दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करते हैं।

· **बंद कार्य:** एक निश्चित सही उत्तर होता है (जैसे औसत, महत्तम समापवर्तक (HCF), या भाग)।

कक्षा में उपयोग: महत्वपूर्ण चिंतन और अवधारणाओं की गहरी समझ को प्रोत्साहित करता है।

Additional Points:

· खुला-अंत वाली वस्तुएं केवल रटने के बजाय, अधिगम के लिए आकलन में प्रभावी होती हैं।

· वे केवल अंतिम उत्तर के बजाय छात्रों की तर्क प्रक्रिया को प्रकट करते हैं।

Q.10 एक गणित की परिक्षा में सुश्री फातिमा ने एक प्रश्न सम्मिलित किया, "यदि दो संख्याओं का योग 17 है, ता संख्याएं क्या हैं?" यह एक उदाहरण है _____ का।

A. बहुविकल्पी चयन प्रश्न
B. संदर्भात्मक प्रश्न
C. बंद सिरे वाले प्रश्न
D. मुक्त सिरे वाले प्रश्न

Answer: D

Sol: In a math unit test, Ms. Fathima has included a question "if the sum of two numbers is 17, what are the numbers?
Open-ended question

Q.11 जब बच्चों को शाब्दिक प्रश्न हाल करने के लिए दिया जाता है, तब बहुधा वे टिप्पणी करते हैं, "यदि आप मुझको बताओगे की कौन सी संक्रिया करनी है, तो मैं, हल करूंगा।" एक प्रकार के उत्तर का क्या कारण हो सकता है?

A. बच्चे शाब्दिक प्रश्नों को पसंद नहीं करते हैं, और छुटकारा पान चाहते हैं।
B. शाब्दिक प्रश्नों के प्रति छात्रों को दुर्भिति होती है।
C. बच्चों में परिज्ञान कौशल की कमी होती है।
D. बच्चे आलसी हैं, और प्रश्नों को पढ़ना नहीं चाहते हैं।

Answer: C

Sol: Children lack comprehension skills

Q.12 'हाशियाकृत समुदायों' के बारे में पढ़ाते समय, एक शिक्षक 1970 के दशक में एक दलित कार्यकर्ता द्वारा लिखी गई कविता का उपयोग करता है। यह कविता कार्य करती है:

A. एक द्वितीयक स्रोत के रूप में क्योंकि यह साहित्य का एक अंश है, सरकारी रिकॉर्ड नहीं।
B. एक प्राथमिक स्रोत के रूप में जो समुदाय के जीवंत अनुभव और प्रतिरोध को दर्शाता है।
C. एक पाठ्येतर पठन सामग्री के रूप में जिसका सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम में कोई स्थान नहीं है।
D. स्कूल की सभा के लिए छात्रों के काव्य पाठ कौशल को सुधारने के एक तरीके के रूप में।

Answer: B

Sol: **सही उत्तर (b) एक प्राथमिक स्रोत के रूप में जो समुदाय के जीवंत अनुभव और प्रतिरोध को दर्शाता है।**

स्पष्टीकरण:

सामाजिक आंदोलन के एक प्रतिभागी द्वारा लिखी गई कविता एक **प्राथमिक स्रोत** है क्योंकि यह उस समय के दौरान उनके विचारों और भावनाओं की एक मूल अभिव्यक्ति है। यह सामाजिक संघर्षों और आंदोलन के आंतरिक मनोविज्ञान का **प्रमाणिक साक्ष्य** प्रदान करती है।

Information Booster:

• **साहित्यिक प्राथमिक स्रोत: संघर्ष के वास्तविक समय** की कविताएं और उपन्यास भावनात्मक और बौद्धिक प्राथमिक साक्ष्य के रूप में कार्य करते हैं।
• **सबाल्टर्न वॉयस (अधीनस्थ की आवाज़):** ऐसी कविताओं का उपयोग कक्षा के विमर्श में हाशियाकृत लोगों के **प्रत्यक्ष दृष्टिकोण** को लाता है।
• **भावनात्मक इतिहास:** यह छात्रों को पीड़ित के अपने शब्दों के माध्यम से भेदभाव की **मानवीय कीमत** को समझने में मदद करता।
• **क्रांतिकारी शिक्षाशास्त्र:** यह विकल्प इस विचार को चुनौती देता है कि इतिहास केवल **नीरस आधिकारिक रिपोर्टों** या पाठ्यपुस्तक के सारांशों में निवास करता है।
• **बहुविषयक दृष्टिकोण:** सामाजिक विज्ञान में साहित्य को एकीकृत करने से छात्रों में **समानुभूति और विश्लेषणात्मक गहराई** विकसित होती है।

Additional Points:

• विकल्प (a): गलत वर्गीकरण – किसी घटना के **समकालीन** सृजित साहित्य उस युग की मानसिकता का प्राथमिक स्रोत होता है।
• विकल्प (c): पाठ्यचर्या संबंधी त्रुटि – व्यक्तिगत वृत्तांत आधुनिक, समावेशी सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या (NCF 2005) के **केंद्र** में हैं।
• विकल्प (d): शैक्षणिक न्यूनीकरण – यह कविता के **ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व** की अनदेखी कर एक सतही कौशल को प्राथमिकता देता है।
अतः सही उत्तर (b) है।

Q.13 अभिकथन (A): सामाजिक विज्ञान परीक्षाओं में 'वस्तुनिष्ठ' प्रश्न कभी-कभी समस्याग्रस्त हो सकते हैं।
कारण (R): वे अक्सर तुच्छ तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और सामाजिक मुद्दों के तर्क या विश्लेषण करने की छात्र की क्षमता का आकलन करने में विफल रहते हैं।

A. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की व्याख्या करता है।
B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं, लेकिन (R), (A) की व्याख्या नहीं करता है।
C. (A) सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।
D. (A) असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

Answer: A

Sol: **सही उत्तर (a) है: (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की व्याख्या करता है।**
व्याख्या:
हालांकि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को ग्रेड देना आसान है, सामाजिक विज्ञान में, वे अक्सर केवल **तथ्यों के परीक्षण** (तारीखें/नाम) तक सीमित रह जाते हैं। यह विषय के मुख्य उद्देश्य की अनदेखी करता है: **आलोचनात्मक जांच** विकसित करना और जटिल सामाजिक घटनाओं की व्याख्या करने की क्षमता।
Information Booster:
अभिकथन:
- **सतही अधिगम:** कई वस्तुनिष्ठ परीक्षण घटनाओं के पीछे के 'क्यों' को समझने के बजाय **रटने** को बढ़ावा देते हैं।
- **सीमित दायरा:** जटिल सामाजिक तर्कों को हमेशा एक एकल **बहुविकल्पीय** उत्तर तक सीमित नहीं किया जा सकता है।
- **आकलन पूर्वाग्रह:** इन प्रश्नों पर अत्यधिक निर्भरता विश्लेषणात्मक कौशल वाले छात्रों के बजाय उच्च **याददाश्त** वाले छात्रों के पक्ष में हो सकती है।
- **मानकीकरण के मुद्दे:** वे सामाजिक विज्ञान में निहित **सूक्ष्मता** और क्षेत्रीय विविधताओं को पकड़ने में विफल हो सकते हैं।
- **संतुलन की आवश्यकता:** अभिव्यंजक और आलोचनात्मक प्रतिक्रियाओं की अनुमति देने के लिए परीक्षाओं में **मुक्त अंत** वाले प्रश्न शामिल होने चाहिए।

कारण:
- **तथ्य बनाम अवधारणा:** वस्तुनिष्ठ प्रश्न अक्सर कार्य-कारण संबंधों के बजाय **तारीखों और स्थानों** को प्राथमिकता देते हैं।
- **निचले स्तर की सोच:** ये प्रश्न आमतौर पर ब्लूम के वर्गीकरण में संश्लेषण या मूल्यांकन के बजाय **स्मरण (Recall)** को लक्षित करते हैं।
- **विसंदर्भीकरण:** तथ्यों का अक्सर अलगाव में परीक्षण किया जाता है, जिससे उनका **ऐतिहासिक या सामाजिक** महत्व खो जाता है।
- **तर्क की कमी:** छात्रों को अपने दृष्टिकोण को **न्यायोचित ठहराने** या साक्ष्यों का मूल्यांकन करने का अभ्यास नहीं मिलता है।
- **शिक्षाशास्त्रीय विसंगति:** यदि परीक्षा वस्तुनिष्ठ है, तो शिक्षक कक्षा निर्देश के दौरान केवल **तथ्य साझा करने** पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

अतः सही उत्तर (a) है।

Q.14 जब कोई शिक्षक केवल 'व्याख्यान विधि' का उपयोग करता है, तो छात्र के लिए सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि:

A. उन्हें बहुत कम समय में बहुत अधिक जानकारी मिल जाती है।
B. उन्हें अपना अर्थ स्वयं बनाने या प्रश्न पूछने का अवसर नहीं मिलता है।
C. उन्हें लंबे समय तक शिक्षक की आवाज सुननी पड़ती है।
D. वे व्याख्यान के दौरान आरेख बनाने के लिए अपने रंगीन पेन का उपयोग नहीं कर सकते हैं।

Answer: B

Sol: **सही उत्तर (b) है: उन्हें अपना अर्थ स्वयं बनाने या प्रश्न पूछने का अवसर नहीं मिलता है।**
व्याख्या:
व्याख्यान विधि एक शिक्षक-केंद्रित दृष्टिकोण है जहाँ छात्र एक निष्क्रिय श्रोता बना रहता है। यह सीखने की **रचनावादी** प्रक्रिया को बाधित करता है, जहाँ छात्रों को समझ विकसित करने के लिए सामग्री के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने की आवश्यकता होती है। संवाद या पूछताछ के बिना, गहरी वैचारिक स्पष्टता शायद ही कभी प्राप्त होती है।
Information Booster:
- **निष्क्रिय अधिगम:** व्याख्यान विधि छात्रों को खाली पात्रों के रूप में रखती है, जिससे **प्रतिधारण** दर कम हो जाती है।
- **रचनावाद:** आधुनिक शिक्षाशास्त्र इस बात पर जोर देता है कि शिक्षार्थियों को संवाद और चिंतन के माध्यम से सक्रिय रूप से ज्ञान का **निर्माण** करना चाहिए।
- **फीडबैक की कमी:** शुद्ध व्याख्यान में, शिक्षक छात्रों के **संज्ञानात्मक अंतराल** या गलत धारणाओं का आकलन नहीं कर पाता है।
- **आलोचनात्मक सोच:** छात्रों को शिक्षक द्वारा प्रस्तुत जानकारी का **विश्लेषण** करने या उसे चुनौती देने के अवसर से वंचित कर दिया जाता है।
- **एकतरफा संचार:** यह विधि सीखने की **सामाजिक प्रकृति** और सहकर्मी बातचीत के महत्व को नजरअंदाज करती है।

Additional Points:
- विकल्प (a): सूचना का अतिप्रवाह - हालांकि यह सच है, मौलिक शिक्षाशास्त्रीय समस्या डेटा की मात्रा के बजाय **जुड़ाव की कमी** है।
- विकल्प (c): सुनने की अवधि - यह एक शारीरिक या **धयनाकर्षण** संबंधी मुद्दा है, न कि प्रभावी सीखने में प्राथमिक संज्ञानात्मक बाधा।
- विकल्प (d): सामग्री का उपयोग - यह एक सतही चिंता है और विधि की **बौद्धिक** या शिक्षाशास्त्रीय सीमाओं को संबोधित नहीं करती है।

अतः सही उत्तर (b) है।

Q.15 निम्नलिखित में से कौन सा संयोजन सही है?
I. एक शिक्षक एक छात्र के पक्षी के व्यवहार के बारे में लिखित उत्तर की जाँच कर रहा है - अनौपचारिक आकलन
II. एक शिक्षक दो छात्रों के बीच बातचीत सुन रहा है जहाँ उनमें से एक अपने चाचा के खेत में देखे गए पक्षियों का वर्णन कर रहा है - औपचारिक आकलन

A. केवल I
B. I और II दोनों
C. न तो I और न ही II
D. केवल II

Answer: C

Sol: **Solution: Correct Answer: (a) केवल I**

Explanation:

कथन I:

एक शिक्षक एक छात्र के पक्षी के व्यवहार के बारे में लिखित उत्तर की जाँच कर रहा है – अनौपचारिक आकलन

यह अनौपचारिक आकलन है क्योंकि शिक्षक किसी मानकीकृत परीक्षण या औपचारिक उपकरण का उपयोग किए बिना छात्र के प्राकृतिक या नियमित कक्षा कार्य (लिखित उत्तर) का अवलोकन और विश्लेषण कर रहा है।

अनौपचारिक आकलन निरंतर, लचीला होता है, और दैनिक शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं का हिस्सा होता है।

कथन II:

एक शिक्षक दो छात्रों के बीच बातचीत सुन रहा है – औपचारिक आकलन

यह औपचारिक आकलन नहीं है, क्योंकि यहाँ कोई संरचित परीक्षण, स्कोरिंग रूब्रिक, या नियोजित मूल्यांकन नहीं है।

यह प्राकृतिक अंतःक्रिया के माध्यम से छात्रों की समझ का एक अनौपचारिक अवलोकन है।

Information Booster:

औपचारिक आकलन (Formal Assessment):

→ये संरचित, नियोजित और मानकीकृत होते हैं।

उदाहरण: लिखित परीक्षाएँ, इकाई परीक्षण (unit tests), प्रश्नोत्तरी (quizzes), श्रेणीबद्ध असाइनमेंट (graded assignments)।

अनौपचारिक आकलन (Informal Assessment):

→ये नियमित कक्षा अंतःक्रियाओं और गतिविधियों के दौरान होते हैं।

उदाहरण: छात्रों का अवलोकन करना, मौखिक प्रश्न पूछना, भागीदारी का मूल्यांकन करना, नोटबुक या परियोजनाओं का विश्लेषण करना।

Additional Knowledge:

→अनौपचारिक आकलन शिक्षकों को शिक्षण रणनीतियों को समायोजित करने और तुरंत प्रतिक्रिया प्रदान करने में मदद करते हैं।

→वे केवल अंतिम स्कोर पर नहीं, बल्कि सीखने की प्रगति पर ज़ोर देते हैं।

→औपचारिक आकलन मुख्य रूप से उपलब्धि के स्तर को दर्ज करने और शिक्षार्थियों के बीच प्रदर्शन की तुलना करने के लिए होते हैं।

Q.16 समावेशी शिक्षा के संदर्भ में, समावेशन में कौन से अवसर शामिल हैं?

I. सामाजिक गतिविधियों की पूरी श्रृंखला में भाग लेने के अवसर।

II. कला, खेल और संगीत के अवसर।

A. न तो I और न ही II

B. केवल I

C. I और II दोनों

D. केवल II

Answer: C

Sol: **सही उत्तर है: (c) I और II दोनों**

Explanation:

समावेशी शिक्षा एक ऐसा दृष्टिकोण है जहाँ प्रत्येक बच्चे को, उनकी क्षमताओं या अक्षमताओं की परवाह किए बिना, स्कूल जीवन के सभी पहलुओं में सीखने और भाग लेने के समान अवसर प्रदान किए जाते हैं। समावेशन केवल शिक्षाविदों तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक, सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियों तक फैला हुआ है।

कथन I: सामाजिक गतिविधियों की पूरी श्रृंखला में भाग लेने के अवसर — सत्य। समावेशी शिक्षा सामाजिक एकीकरण पर जोर देती है, जिसका अर्थ है कि बच्चों को अपने साथियों के साथ कक्षा चर्चा, समूह परियोजनाओं, खेल के मैदान की गतिविधियों और स्कूल की घटनाओं में शामिल होना चाहिए।

कथन II: कला, खेल और संगीत के अवसर — सत्य। समावेशन सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों जैसे संगीत, नृत्य, कला और खेल तक भी पहुँच सुनिश्चित करता है, जो समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं।

चूँकि दोनों कथन सही हैं, इसलिए "I और II दोनों" सही विकल्प है।

Information Booster:

→समग्र विकास: समावेशन मानता है कि अधिगम केवल शैक्षणिक रूप से नहीं, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक रूप से भी होता है।

→सभी के लिए लाभ: समावेशी शिक्षा सहानुभूति, सहयोग और विविधता की सराहना को बढ़ावा देकर सभी छात्रों को लाभ पहुँचाती है।

→कानूनी समर्थन: विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (CRPD, 2006) जैसी नीतियाँ सभी शैक्षिक और सामाजिक गतिविधियों में विकलांग बच्चों की पूर्ण भागीदारी की वकालत करती हैं।

→व्यावहारिक उदाहरण: मिश्रित-क्षमता वाली कक्षाएँ, कला प्रतियोगिताएँ, संगीत और खेल क्लब, और सामाजिक कार्यक्रम जो सभी छात्रों से भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, समावेशी शिक्षा के व्यावहारिक कार्यान्वयन हैं।

Q.17 निम्नलिखित में से कौन सी प्रक्रिया विचारों, तथ्यों, राय, जानकारी और समझ को साझा करने को संदर्भित करती है?

A. संचार (Communication)

B. पद (Position)

C. महत्वाकांक्षा (Ambition)

D. स्थिति (Situation)

Answer: A

Sol: **Solution: सही उत्तर है: (a) संचार**

Explanation:

संचार व्यक्तियों या समूहों के बीच विचारों, तथ्यों, राय, जानकारी और समझ को साझा करने की प्रक्रिया है। यह मौखिक रूप से, गैर-मौखिक रूप से, लिखित रूप में, या डिजिटल माध्यमों से हो सकता है। संचार का सार यह सुनिश्चित करना है कि भेजे गए संदेश को प्राप्तकर्ता द्वारा समझा जाए।

Information Booster:

→संचार सिर्फ बात करने के बारे में नहीं है; इसमें सुनना, अवलोकन करना और प्रतिक्रिया प्रदान करना शामिल है।

→प्रभावी संचार संबंधों को मजबूत करता है, टीम वर्क में सुधार करता है, और गलतफहमियों को कम करता है।

→संचार के प्रकारों में मौखिक, गैर-मौखिक, लिखित, दृश्य और डिजिटल संचार शामिल हैं।

Additional Knowledge:

→संचार में बाधाएँ शारीरिक (शोर), मनोवैज्ञानिक (तनाव), या अर्थ संबंधी (शब्दों को गलत समझना) हो सकती हैं।
→संचार के तत्व: प्रेषक, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्ता, और प्रतिक्रिया।
→आधुनिक समय में, संचार सोशल मीडिया, ईमेल, वीडियो कॉल के माध्यम से विस्तारित हुआ है, जिससे सूचना का आदान-प्रदान तेज़ और वैश्विक हो गया है।

Q.18 कक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) के रचनात्मक उपयोगों में से निम्नलिखित में से कौन से शामिल हैं?
I. चिंतनशील लेखन के लिए वर्ड प्रोसेसर
II. केवल ड्रिल और अभ्यास सॉफ्टवेयर
III. अवधारणा विज़ुअलाइज़ेशन के लिए मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण

A. केवल I और II
B. केवल I और III
C. केवल II और III
D. I, II और III

Answer: B

Sol: सही उत्तर है **(b) केवल I और III।**

Explanation:
ICT के रचनात्मक उपयोगों में ऐसे उपकरण शामिल हैं जो सक्रिय रूप से छात्रों के सीखने और समझने में सहायता करते हैं, न कि केवल सामग्री का अभ्यास या याद रखने में। चिंतनशील लेखन के लिए वर्ड प्रोसेसर और अवधारणा विज़ुअलाइज़ेशन के लिए मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण दोनों ही ऐसे उपकरण हैं जो छात्रों को आलोचनात्मक सोच और गहन अधिगम में शामिल करते हैं। दूसरी ओर, ड्रिल और अभ्यास सॉफ्टवेयर अधिक दोहराव वाला होता है और मुख्य रूप से बुनियादी कौशल का अभ्यास करने के लिए उपयोग किया जाता है, जो उसी तरह से रचनात्मक अधिगम को बढ़ावा नहीं देता है।

Information Booster:
चिंतनशील लेखन के लिए वर्ड प्रोसेसर:
· वर्ड प्रोसेसर छात्रों को चिंतनशील लेखन में संलग्न होने में सक्षम बनाते हैं, जिससे आलोचनात्मक सोच और लेखन कौशल के विकास को बढ़ावा मिलता है।
· छात्रों को अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यवस्थित और व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
· संपादन और संशोधन के अवसर प्रदान करता है, जो सीखने और आत्म-चिंतन को बढ़ाता है।
· भाषा और साक्षरता कौशल के विकास का समर्थन करता है।
· छात्रों को हस्तलेखन या वर्तनी की त्रुटियों से विचलित हुए बिना सामग्री पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है।
अवधारणा विज़ुअलाइज़ेशन के लिए मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण:
· मल्टीमीडिया प्रस्तुतीकरण पाठ, चित्र, ऑडियो और वीडियो को मिलाते हैं, जिससे छात्रों को जटिल अवधारणाओं को विज़ुअलाइज़ करने में मदद मिलती है।
· विविध शिक्षण शैलियों का समर्थन करता है, जिससे अमूर्त अवधारणाएँ दृश्य और श्रवण सीखने वालों के लिए अधिक सुलभ हो जाती हैं।
· डिजिटल साक्षरता को बढ़ाते हुए, सूचना बनाने और प्रस्तुत करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करता है।
· इंटरैक्टिव और आकर्षक शिक्षण अनुभवों को सुगम बनाता है जो गहन समझ को बढ़ावा देते हैं।
· जानकारी को गतिशील और रचनात्मक तरीके से सारांशित करने और संश्लेषित करने में मदद करता है।

Q.19 किशोरों के संज्ञानात्मक विकास के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
I. किशोर एक समस्या को हल करने के कई संभावित तरीकों पर विचार करते हैं।
II. किशोर एक अहंभाव (egocentrism) विकसित करते हैं जिसमें एक काल्पनिक दर्शक (imaginary audience) और एक व्यक्तिगत दंतकथा (personal fable) शामिल होती है।

A. केवल II
B. I और II दोनों
C. न तो I और न ही II
D. केवल I

Answer: B

Sol: **Solution: सही उत्तर: (b) I और II दोनों**

Explanation:
किशोरावस्था के दौरान, संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। किशोर जीन पियाजे द्वारा बताए गए औपचारिक संक्रियात्मक चरण (formal operational stage) में प्रवेश करते हैं। इस चरण में:
→कई समाधानों पर विचार करना: किशोर अमूर्त और काल्पनिक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करते हैं। यह उन्हें केवल परीक्षण और त्रुटि (trial and error) या मूर्त समाधानों पर निर्भर रहने के बजाय एक समस्या को हल करने के कई संभावित तरीकों पर विचार करने की अनुमति देता है। यह कथन I के साथ संरेखित है।
किशोर अहंभाव (Adolescent egocentrism): वे एक बढ़ी हुई आत्म-चेतना का भी अनुभव करते हैं, जिसे अक्सर किशोर अहंभाव कहा जाता है। इसमें शामिल है:
→काल्पनिक दर्शक (Imaginary audience): किशोरों का मानना है कि अन्य लोग लगातार उन्हें देख रहे हैं और उनका मूल्यांकन कर रहे हैं।
व्यक्तिगत दंतकथा (Personal fable): वे महसूस करते हैं कि उनके अनुभव अद्वितीय हैं और वे अजेय या विशेष हैं।
यह कथन II के साथ संरेखित है।

Additional Knowledge:
→यह संज्ञानात्मक वृद्धि किशोरों को न्याय, स्वतंत्रता, या काल्पनिक परिदृश्यों जैसी अमूर्त अवधारणाओं के बारे में तर्क करने की अनुमति देती है।
→अहंभाव इस चरण में सामान्य है लेकिन जैसे-जैसे वे अधिक सामाजिक और संज्ञानात्मक परिपक्वता प्राप्त करते हैं, यह धीरे-धीरे कम होता जाता है।
ये क्षमताएँ समस्या-समाधान, भविष्य के लिए योजना बनाने और व्यक्तिगत पहचान बनाने में मदद करती हैं।

Q.20 पियाजे के औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था की विशेषताएँ निम्नलिखित में से कौन सी संज्ञानात्मक उपलब्धियाँ हैं?
I. काल्पनिक-निगमनात्मक तर्क

II. विचार में आत्मकेंद्रितता
III. अमूर्त प्रतीकात्मक हेरफेर

A. केवल I और II
B. केवल II और III
C. केवल I और III
D. I, II और III

Answer: C

Sol: सही उत्तर है **c) केवल I और III**

Explanation:

पियाजे की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (जो आमतौर पर 12 वर्ष की आयु से शुरू होती है) अमूर्त रूप से सोचने और काल्पनिक-निगमनात्मक तर्क का उपयोग करने की क्षमता की विशेषता है। हालाँकि, आत्मकेंद्रितता पहले की पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था की अधिक विशिष्ट है, न कि औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था की।

Information Booster:

· **काल्पनिक-निगमनात्मक तर्क:** औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में बच्चे काल्पनिक स्थितियों के बारे में तार्किक रूप से सोच सकते हैं और परिणामों का अनुमान लगा सकते हैं।
· **अमूर्त प्रतीकात्मक हेरफेर:** प्रतीकों का उपयोग करने और अमूर्त रूप से सोचने की क्षमता स्पष्ट हो जाती है, जिससे अधिक उन्नत समस्या-समाधान संभव होता है।
· **अमूर्त अवधारणाओं का सामान्यीकरण:** अमूर्त सोच व्यक्तियों को उनके तात्कालिक अनुभवों से परे अवधारणाओं को समझने की अनुमति देती है।
· **औपचारिक संक्रियात्मक कौशल:** इसमें कई चरों पर विचार करने और अमूर्त विचारों के बारे में तार्किक रूप से सोचने की क्षमता शामिल है।
· **आलोचनात्मक सोच का विकास:** बच्चे मौजूदा विचारों और अवधारणाओं को चुनौती देना और उन पर सवाल उठाना शुरू कर देते हैं, जिससे बेहतर समस्या-समाधान क्षमताएँ प्रदर्शित होती हैं।

Additional Points:

· आत्मकेंद्रितता औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था की विशेषता नहीं है; यह पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में पाई जाती है।

Q.21 अभिकथन : वायगोत्स्की ने सीखने की सामाजिक प्रकृति पर ज़ोर दिया।
कारण : संज्ञानात्मक विकास को अकेले जैविक परिपक्वता द्वारा सबसे अच्छी तरह से समझाया गया है।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है
B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है
C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है
D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है

Answer: C

Sol: सही उत्तर **A सत्य है, लेकिन R असत्य है।**

व्याख्या:

अभिकथन सत्य है क्योंकि वायगोत्स्की का सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत यह मानता है कि उच्च मानसिक कार्य सामाजिक संपर्क और संस्कृति में उत्पन्न होते हैं। कारण असत्य है क्योंकि वायगोत्स्की ने विशुद्ध रूप से परिपक्वता संबंधी सिद्धांतों का दृढ़ता से खंडन किया, यह तर्क देते हुए कि सामाजिक-सांस्कृतिक अनुभव और भाषा प्राथमिक तंत्र हैं जो संज्ञानात्मक विकास को प्रेरित करते हैं।

Information Booster:

अभिकथन : वायगोत्स्की ने सीखने की सामाजिक प्रकृति पर ज़ोर दिया:

·**सामाजिक उत्पत्ति:** सभी संज्ञानात्मक विकास अंतर-मनोवैज्ञानिक स्तर पर शुरू होता है इससे पहले कि वह व्यक्तिगत बन जाए।
·**MKO संपर्क:** सीखना एक अधिक जानकार अन्य के साथ सहयोग के माध्यम से सुगम होता है।
·**ZPD फोकस:** निकटतम विकास का क्षेत्र इस बात पर ज़ोर देता है कि सीखना एक सक्रिय, सामाजिक प्रक्रिया है, जो साबित करता है कि विकास निष्क्रिय नहीं है।
·**संपर्क की भूमिका:** सिद्धांत बौद्धिक विकास के तंत्र के रूप में संवाद, संयुक्त गतिविधि और साझा समस्या-समाधान पर ज़ोर देता है।

कारण: संज्ञानात्मक विकास को अकेले जैविक परिपक्वता से सबसे अच्छी तरह समझाया जा सकता है:

·**असत्य चालक:** वायगोत्स्की का सिद्धांत संज्ञानात्मक प्रगति के एकमात्र चालक के रूप में जैविक परिपक्वता की भूमिका को कम करता है।
·**सांस्कृतिक प्रधानता:** उनका मानना था कि जबकि परिपक्वता आवश्यक जैविक चरण निर्धारित करती है, यह सांस्कृतिक शिक्षा है जो उन्नत सोच के रूप और संरचना को निर्धारित करती है।
·**सीखना विकास को प्रेरित करता है:** वायगोत्स्की ने तर्क दिया कि प्रभावी सीखना निष्क्रिय रूप से जैविक तत्परता की प्रतीक्षा करने के बजाय सक्रिय रूप से विकास की सीमाओं को प्रेरित और आगे बढ़ाता है।
·**फोकस बदलाव:** ज़ोर आंतरिक जैविक समयरेखा से बाहरी, सामाजिक अनुभव पर स्थानांतरित हो जाता है।

Q.22 अभिकथन (A): वायगोत्स्की के सिद्धांत में, स्कैफोल्डिंग में शिक्षार्थियों को उन कार्यों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए अस्थायी समर्थन प्रदान करना शामिल है जिन्हें वे स्वतंत्र रूप से पूरा नहीं कर सकते हैं।
कारण (R): इस समर्थन का उद्देश्य छात्रों को उनकी वर्तमान क्षमता और सीखने के लक्ष्य के बीच के अंतर को पाटने में सहायता करना है, और जब शिक्षार्थी अधिक सक्षम हो जाता है तो इसे धीरे-धीरे हटा दिया जाता है।

A. A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।
B. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C. A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
D. A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

Answer: A

Sol: सही उत्तर है **(a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या है।**

व्याख्या:

अभिकथन और कारण दोनों सत्य हैं, और कारण अभिकथन की सही व्याख्या करता है। वायगोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत में स्कैफोल्डिंग का अर्थ है अस्थायी और

Adda247 GET IT ON Google Play

संरचित समर्थन—जैसे संकेत, सुझाव, प्रतिरूपण, या प्रतिक्रिया—जो एक शिक्षार्थी के समीपस्थ विकास के क्षेत्र (ZPD) के भीतर पेश किया जाता है। शिक्षार्थी के अधिक सक्षम होने पर इस समर्थन को धीरे-धीरे वापस ले लिया जाता है।

Information Booster:

· **अवधारणा का मूल:** वायगोत्स्की ने प्रस्तावित किया कि सीखना तब सबसे अच्छा होता है जब शिक्षार्थियों को उनके ZPD के भीतर निर्देशित सहायता मिलती है—जो वे अकेले कर सकते हैं और जो वे सहायता से कर सकते हैं, उसके बीच का स्थान।
· **अस्थायी प्रकृति:** समर्थन (स्कैफोल्डिंग) स्थायी नहीं होता है; शिक्षार्थियों द्वारा स्वतंत्रता और आत्मविश्वास हासिल करने पर इसे धीरे-धीरे कम किया जाता है।
· **शिक्षक की भूमिका:** शिक्षक एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है—सीधे उत्तर प्रदान करने के बजाय प्रतिरूपण, मार्गदर्शक प्रश्न पूछना, या संकेत देना।
· **स्कैफोल्डिंग के प्रकार:** संज्ञानात्मक समर्थन (संकेत, रणनीतियाँ), मौखिक स्कैफोल्डिंग (प्रश्न पूछना, पुनर्वाक्यन), और सामग्री स्कैफोल्डिंग (दृश्य सहायता, ग्राफ़िक आयोजक) शामिल हैं।
· **शिक्षार्थी-केंद्रित:** सक्रिय जुड़ाव और खोज को प्रोत्साहित करता है, जिससे छात्र अपनी सीखने की प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार बनते हैं।
· **लक्ष्य:** अंतिम उद्देश्य शिक्षार्थी को आश्रित से स्व-नियमित सीखने की ओर बढ़ते हुए स्वायत्त बनाना है।

Q.23 एक शिक्षक देखती है कि एक छात्र, राकेश, एक कठिन पहेली को हल करते समय अक्सर खुद से बात करता है। वाइगोत्स्की के अनुसार, यह 'निजी भाषण' किसका प्रतिनिधित्व करता है?

A. संज्ञानात्मक अपरिपक्वता और आत्मकेंद्रितता का संकेत जिसे हतोत्साहित किया जाना चाहिए।
B. एक व्याकुलता जो कार्य पर बच्चे के ध्यान को बाधित करती है।
C. आत्म-नियमन और अपने स्वयं के चिंतन को निर्देशित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण।
D. एक मनोवैज्ञानिक विकार जो सामाजिक कौशल की कमी को इंगित करता है।

Answer: C

Sol: सही उत्तर **(c) आत्म-नियमन और अपने स्वयं के चिंतन को निर्देशित करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है।**

Explanation:

वाइगोत्स्की ने "निजी भाषण" (श्रव्य आत्म-वार्ता) को एक महत्वपूर्ण विकासात्मक उपकरण के रूप में पहचाना। उन्होंने तर्क दिया कि बच्चे भाषा का उपयोग न केवल दूसरों के साथ संवाद करने के लिए करते हैं, बल्कि अपने स्वयं के व्यवहार की योजना बनाने, मार्गदर्शन करने और निगरानी करने के लिए भी करते हैं। यह एक संक्रमण चरण के रूप में कार्य करता है जहाँ बाहरी सामाजिक निर्देश आंतरिक विचार प्रक्रियाओं में परिवर्तित हो रहे हैं।

Information Booster:

· **आत्म-नियमन उपकरण:** निजी भाषण एक "संज्ञानात्मक स्टीयरिंग व्हील" के रूप में कार्य करता है। बच्चा अपनी क्रियाओं और ध्यान को नियंत्रित करने के लिए खुद को निर्देश देता है (उदाहरण के लिए, "पहले मुझे नीला टुकड़ा चाहिए, फिर लाल वाला")।
· **कठिनाई के प्रति प्रतिक्रिया:** अनुसंधान वाइगोत्स्की के इस विचार की पुष्टि करता है कि जब कोई कार्य कठिन होता है या जब कोई बच्चा गलती करता है तो निजी भाषण बढ़ जाता है। यह एक चुनौती में महारत हासिल करने के सक्रिय प्रयास का संकेत है।
· **आंतरीकरण प्रक्रिया:** यह सामाजिक भाषण (दूसरों से बात करना) और आंतरिक भाषण (मौन चिंतन) के बीच सेतु का प्रतिनिधित्व करता है। समय के साथ, यह श्रव्य वार्ता "भूमिगत" हो जाती है और विचार बन जाती है।
· **संज्ञानात्मक योजना:** यह कार्यकारी कार्यों जैसे चरणों की योजना बनाना, ध्यान केंद्रित करना और आवेगी प्रतिक्रियाओं को रोकना में मदद करता है।
· **शिक्षक की भूमिका:** चूंकि यह स्वस्थ संज्ञानात्मक विकास का संकेत है, शिक्षकों को शुरुआती कक्षाओं में इसकी अनुमति देनी चाहिए और इसे "बाधित करने वाली बातचीत" के रूप में नहीं देखना चाहिए।

Additional Points:

· **संज्ञानात्मक अपरिपक्वता (पियाजे का दृष्टिकोण):** यह विकल्प पियाजे के सिद्धांत को दर्शाता है, न कि वाइगोत्स्की के। पियाजे ने इसे "अहंकारी भाषण" कहा और माना कि यह दूसरों के दृष्टिकोण को देखने में बच्चे की अक्षमता को दर्शाता है। वाइगोत्स्की ने दृढ़ता से असहमति व्यक्त की, इसे कार्यात्मक मानते हुए।
· **व्याकुलता:** यह एक गलत धारणा है। हालाँकि यह वयस्कों के लिए विचलित करने वाला लग सकता है, बच्चे के लिए, यह एक ध्यान केंद्रित करने वाला तंत्र है। उन्हें बात करने से रोकने से वास्तव में उनके विचारों की श्रृंखला बाधित हो सकती है।
· **मनोवैज्ञानिक विकार:** यह गलत है। समस्या-समाधान के दौरान खुद से बात करना बाल विकास का एक सामान्य, स्वस्थ और सार्वभौमिक चरण है, न कि विकृति या सामाजिक कौशल की कमी का संकेत।

Q.24 एक विद्यार्थी भौतिक रूप से उन्हें हिलाए बिना अपने मन में आकृतियों को घूमते हुए देखकर एक ज्यामिति समस्या को हल करता है। यह विद्यार्थी निम्नलिखित में से किसका उपयोग कर रहा है?

A. क्रियात्मक प्रतिनिधित्व
B. प्रतिमात्मक प्रतिनिधित्व
C. संवेदी प्रेरक प्रतिवर्त
D. कंडीशनिंग

Answer: B

Sol: सही उत्तर (b) प्रतिमात्मक प्रतिनिधित्व है।
व्याख्या:
मानसिक घूर्णन और कल्पना प्रतिमात्मक प्रतिनिधित्व के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। विद्यार्थी भौतिक रूप से वस्तु को नहीं छू रहा है (क्रियात्मक) और न ही सूत्र का उपयोग कर रहा है (प्रतीकात्मक); वह समस्या को हल करने के लिए आकृति की एक मानसिक छवि या "आइकन" में हेरफेर कर रहा है।
Information Booster:
· मानसिक कल्पना: मन की आँख में एक चित्र बनाने की क्षमता।
· स्थानिक तर्क: ज्यामिति, कला और नेविगेशन में अत्यधिक उपयोगी।
· क्रिया का आंतरिककरण: प्रतिमात्मक प्रतिनिधित्व में अक्सर वह क्रिया शामिल होती है जो पहले एक भौतिक क्रिया थी (एक वस्तु को घुमाना)।
· दृश्य स्मृति: यह इस बात पर निर्भर करता है कि चीजें कैसी दिखती हैं।
· संक्रमणकालीन चरण: यह वस्तु को पकड़ने की आवश्यकता और गणितीय रूप से उसकी गणना करने में सक्षम होने के बीच एक सेतु का कार्य करता है।
Additional Points:
· क्रियात्मक: इसके लिए विद्यार्थी को वास्तव में एक ब्लॉक को पकड़ने और उसे अपने हाथों से घुमाने की आवश्यकता होगी।
· संवेदी प्रेरक प्रतिवर्त: यह अनैच्छिक या बुनियादी शिशु आंदोलनों को संदर्भित करता है, जटिल मानसिक कल्पना को नहीं।
· कंडीशनिंग: यह संघ के माध्यम से सीखने के लिए एक व्यवहार संबंधी शब्द है, जिसका मानसिक कल्पना से कोई संबंध नहीं है।

Q.25 कोहलबर्ग के नैतिक विकास के किस स्तर पर व्यक्ति का नैतिक व्यवहार मुख्य रूप से इस मानसिकता पर निर्भर करता है कि “लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं”?

A. पारंपरिक
B. उत्तर-पारंपरिक
C. गैर-पारंपरिक
D. पूर्व-पारंपरिक

Answer: A

Sol: **सही उत्तर है – (a) पारंपरिक**
Explanation:
कोहलबर्ग के नैतिक विकास का पारंपरिक स्तर वह अवस्था है जहाँ व्यक्ति के नैतिक निर्णय इस बात से निर्देशित होते हैं कि दूसरे उनके बारे में क्या सोचेंगे। इस स्तर पर, व्यक्ति समाज, शिक्षकों, परिवार या साथियों की नज़र में “अच्छा” दिखना चाहते हैं। वे नियमों का पालन करते हैं क्योंकि वे सामाजिक अनुमोदन और स्वीकृति को महत्व देते हैं।
Information Booster:
→ यह स्तर आमतौर पर उत्तर बाल्यावस्था या किशोरावस्था के दौरान प्रकट होता है।
व्यवहार अच्छे संबंधों और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने पर आधारित होता है।
→ नैतिक निर्णय अपेक्षाओं को पूरा करने, पसंद किए जाने और सामाजिक अस्वीकृति से बचने पर निर्भर करता है।
यहाँ सामान्य विचार प्रक्रिया यह होती है:
→ “मुझे यह करना चाहिए क्योंकि अच्छे लोग ऐसा ही व्यवहार करते हैं, और दूसरे इसकी सराहना करेंगे।”
Additional Knowledge:
कोहलबर्ग ने नैतिक विकास के तीन प्रमुख स्तरों का प्रस्ताव दिया:
पूर्व-पारंपरिक – सजा से बचने और पुरस्कार प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना।
पारंपरिक – सामाजिक अनुमोदन और सामाजिक नियमों का पालन करने पर ध्यान केंद्रित करना।
उत्तर-पारंपरिक – आंतरिक सिद्धांतों और व्यक्तिगत नैतिकता पर आधारित नैतिकता।

Q.26 एक छात्र तर्क देता है, "मैं दवा नहीं चुरा सकता क्योंकि यदि हर कोई चोरी करने लगे, तो समाज ढह जाएगा।" कोहलबर्ग के अनुसार, यह दर्शाता है:

A. दंड और आज्ञाकारिता अभिविन्यास (चरण 1)
B. अच्छा लड़का-अच्छी लड़की अभिविन्यास (चरण 3)
C. सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने का अभिविन्यास (चरण 4)
D. सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास (चरण 6)

Answer: C

Sol: सही उत्तर है **(c) सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने का अभिविन्यास (चरण 4)**
Explanation:
छात्र का तर्क सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने और नियम टूटने पर समाज के लिए होने वाले परिणामों पर केंद्रित है। यह कोहलबर्ग के चरण 4 के साथ संरेखित होता है, जहाँ व्यक्ति कानून, प्राधिकरण और सामाजिक स्थिरता को महत्व देते हैं। निर्णय प्रणाली को बनाए रखने के कर्तव्य पर आधारित है, न कि व्यक्तिगत लाभ या अमूर्त नैतिक सिद्धांतों पर।
Information Booster:
· कानून, प्राधिकरण और कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करता है।
· नैतिक निर्णय का उद्देश्य सामाजिक कार्यप्रणाली को संरक्षित करना है।
· सही कार्रवाई सामाजिक पतन से बचने के लिए नियमों का पालन करने के बराबर है।
· संस्थानों और व्यवस्था को बनाए रखने पर जोर देता है।
· व्यक्तिगत उद्देश्यों के बजाय, समाज के लिए परिणामों से संबंधित है।
· मानता है कि नियम सामूहिक स्थिरता के लिए आवश्यक हैं।
Additional Points:
· चरण 1 दंड से बचने पर केंद्रित है, न कि सामाजिक पतन पर।
· चरण 3 दूसरों को खुश करने और अनुमोदन प्राप्त करने के बारे में है, न कि कानून और व्यवस्था के बारे में।
· चरण 6 सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांतों पर निर्भर करता है, न कि सामाजिक नियमों की आज्ञाकारिता पर।

Q.27 एरिकसन के मनोसामाजिक विकास के सिद्धांत के अनुसार, एक प्राथमिक स्कूल के बच्चे (11-14 वर्ष की आयु) द्वारा सामना किया जाने वाला प्राथमिक संकट है:

A. पहल बनाम अपराध-बोध
B. परिश्रम बनाम हीनता
C. पहचान बनाम भूमिका भ्रम
D. आत्मीयता बनाम अलगाव

Answer: C

Sol: सही उत्तर है: **(c) पहचान बनाम भूमिका भ्रम।**

व्याख्या:

प्रारंभिक किशोरावस्था में प्रवेश करने वाले बच्चे यह जानना प्रारंभ करते हैं कि वे कौन हैं, वे क्या महत्व देते हैं और वे सामाजिक रूप से कहाँ फिट होते हैं। आत्म-पहचान की यह खोज अक्सर भ्रम पैदा करती है क्योंकि वे भूमिकाओं, विश्वासों और प्राथमिकताओं के साथ प्रयोग करते हैं। एरिकसन इस अवधि को पहचान बनाम भूमिका भ्रम के चरण के रूप में समझाते हैं।

Information Booster:

· **अर्थ:** पहचान बनाम भूमिका भ्रम में तेजी से शारीरिक और सामाजिक परिवर्तनों से प्रेरित होकर, प्रारंभिक किशोरावस्था के दौरान स्वयं की एक स्थिर भावना का निर्माण शामिल है।
· **पहचान खोज:** बच्चे अपने लक्ष्यों, रुचियों और मूल्यों पर सवाल उठाते हैं, यह समझने की कोशिश करते हैं कि वे क्या बन रहे हैं।
· **भूमिका अन्वेषण:** किशोर यह पता लगाने के लिए विभिन्न भूमिकाओं - सामाजिक, शैक्षणिक या भावनात्मक - का परीक्षण करते हैं कि उनके लिए सबसे उपयुक्त क्या है।
· **सहकर्मी प्रभाव:** किशोर स्वीकृति और संबंध चाहते हैं, इसलिए सहकर्मी समूह पहचान विकल्पों को दृढ़ता से आकार देते हैं।
· **महत्व:** इस चरण को सफलतापूर्वक हल करने से आत्मविश्वास और जीवन में दिशा की स्पष्ट समझ मिलती है।

Additional Points:

· **पहल बनाम अपराध-बोध:** यह शुरुआती बचपन में होता है जब बच्चे नई गतिविधियों की कोशिश करते हैं और अस्वीकृति से डरते हैं, पहचान निर्माण नहीं।
· **परिश्रम बनाम हीनता:** यह प्राथमिक स्कूल के वर्षों में होता है जहाँ बच्चे पहचान पर नहीं, बल्कि क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
· **आत्मीयता बनाम अलगाव:** यह चरण वयस्कता में होता है और इसमें दीर्घकालिक संबंध शामिल होते हैं।

Q.28 **A teacher emphasizes 'LSRW' skills through a variety of communicative tasks rather than teaching them in isolation. This strategy aligns with:**

A. Traditional Pedagogy
B. Modern Communicative Trends
C. Rule-based Structuralism
D. Passive Skill Development

Answer: B

Sol: The correct answer is **(b) Modern Communicative Trends.**

Explanation:

Modern pedagogy advocates for the Integration of Skills. In real-life communication, Listening, Speaking, Reading, and Writing (LSRW) are rarely used in isolation. Communicative tasks (like discussing a text or writing a response to a speech) ensure that these skills are developed naturally and simultaneously.

Information Booster:

· **Holistic Language Development**: Integration ensures that learners develop a balanced proficiency across all four skills rather than excelling in one while failing in others.
· **Real-life Simulation**: Tasks like "listening to an announcement and writing a note" mimic how we actually use language in the world.
· **Reinforcement**: Each skill supports the other; for example, reading a text provides the vocabulary and structures needed for a subsequent speaking task.
· **Meaningful Context**: Skills are practiced within a purposeful activity, making the learning more relevant and memorable for the student.
· **Communicative Competence**: By integrating skills, the teacher helps students achieve the ability to interact effectively in complex social environments.

Additional Points:

· **Traditional Pedagogy (Option a)**: Often teaches skills in a **fragmented way**, focusing on one at a time (usually reading or writing).
· **Rule-based Structuralism (Option c)**: Focuses on the "building blocks" of grammar rather than the fluid integration of communicative skills.
· **Passive Skill Development (Option d)**: This is a misconception; LSRW includes "active" (Speaking/Writing) and "receptive" (Listening/Reading) skills, but all require mental activity.

Q.29 **What does 'Multilingualism as a resource' mean in school education?**

A. Teaching as many languages as possible
B. Adopting a flexible language-in-education policy
C. Making use of languages of learners in the classroom
D. Adopting it as a method of teaching in the classroom

Answer: C

Sol: Making use of languages of learners in the classroom.

Multilingualism as a resource in education means that teachers make use of the languages that their learners speak in the classroom. This can be done by using the learners' languages to teach the curriculum, by providing opportunities for learners to use their languages to communicate with

each other, and by valuing and respecting the different languages that learners speak.

Q.30 मूल्यांकन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सही सुमेलित है?
I. सतत मूल्यांकन - सत्र के अंत में अंतिम ग्रेड
II. व्यापक मूल्यांकन - मूल्यांकन की नियमितता

A. I और II दोनों
B. केवल I
C. केवल II
D. न तो I और न ही II

Answer: D

Sol: **हल: सही उत्तर है: (d) न तो I और न ही II।**
स्पष्टीकरण:
सतत मूल्यांकन, सत्र के अंत में नहीं, बल्कि पूरे सत्र के दौरान नियमित रूप से छात्र की सीखने की प्रगति का आकलन करने को संदर्भित करता है। यह फीडबैक प्रदान करने और सीखने में सुधार के लिए निरंतर मूल्यांकन पर केंद्रित है। इसलिए, इसे "सत्र के अंत में अंतिम ग्रेड" कहना गलत है।
व्यापक मूल्यांकन का उद्देश्य ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों सहित छात्र विकास की एक विस्तृत श्रृंखला का आकलन करना है। यह मूल्यांकन की नियमितता तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्र के समग्र विकास पर केंद्रित है। इसलिए, "मूल्यांकन की नियमितता" वाला कथन भी गलत है।
Information Booster:
शिक्षा में मूल्यांकन के कई उद्देश्य हैं: सीखने की प्रगति की निगरानी करना, फीडबैक प्रदान करना, शिक्षण विधियों में सुधार करना और छात्र विकास का समर्थन करना। सतत और व्यापक मूल्यांकन मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्रों का उनके शैक्षणिक प्रदर्शन और अन्य विकासात्मक पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष और गहन मूल्यांकन किया जाए।
Additional Knowledge:
→सतत मूल्यांकन, क्विज़, असाइनमेंट, कक्षा में भागीदारी और पूरे वर्ष आयोजित परियोजनाओं जैसी रचनात्मक मूल्यांकन तकनीकों पर ज़ोर देता है।
→व्यापक मूल्यांकन में संज्ञानात्मक (शैक्षणिक) और गैर-संज्ञानात्मक (सामाजिक, भावनात्मक, शारीरिक) दोनों प्रकार के विकास शामिल हैं, जिसका उद्देश्य बच्चे के संतुलित विकास पर केंद्रित है।

Q.31 निम्नलिखित में से कौन से सुरक्षात्मक कारक बच्चों और किशोरों को तनाव से उबरने में सहायता कर सकते हैं और लचीलापन में योगदान कर सकते हैं?
I. अच्छा पारिवारिक संबंध
II. संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली

A. न तो I और न ही II
B. केवल II
C. I और II दोनों
D. केवल I

Answer: C

Sol: **हल: सही उत्तर है: (c) I और II दोनों**
व्याख्या:
अच्छा पारिवारिक संबंध (I): एक सहायक और पोषणकारी पारिवारिक वातावरण बच्चों और किशोरों को तनाव का सामना करने में सहायता करता है, भावनात्मक सुरक्षा और मार्गदर्शन प्रदान करता है। मजबूत पारिवारिक बंधन मनोवैज्ञानिक संकट के खिलाफ एक सुरक्षात्मक कारक के रूप में कार्य करते हैं।
संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली (II): प्रभावी संज्ञानात्मक कौशल, जैसे समस्या-समाधान, तर्क और आत्म-नियमन, बच्चों को तनावपूर्ण स्थितियों को बेहतर ढंग से समझने और प्रबंधित करने की अनुमति देते हैं। उच्च संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली अनुकूली मुकाबला रणनीतियों और लचीलेपन का समर्थन करती है।
Information Booster:
सुरक्षात्मक कारक वे स्थितियाँ या विशेषताएँ हैं जो बच्चों और किशोरों की तनाव, विपरीत परिस्थितियों या आघात से निपटने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इनमें व्यक्तिगत विशेषताएँ (जैसे बुद्धि और आत्म-सम्मान), परिवार का समर्थन, सकारात्मक सहकर्मी संबंध और सामुदायिक संसाधन शामिल हैं। लचीलापन तनाव से बचने के बारे में नहीं है, बल्कि प्रभावी ढंग से उबरने और मुकाबला करने की रणनीतियों को विकसित करने के बारे में है।
Additional Knowledge:
→ लचीलापन कठिनाइयों से उबरने और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने की क्षमता है।
→ कई सुरक्षात्मक कारकों वाले बच्चों में लचीलापन विकसित होने की अधिक संभावना होती है क्योंकि ये कारक तनाव के नकारात्मक प्रभावों से बचाव के लिए परस्पर क्रिया करते हैं।
→ अन्य सुरक्षात्मक कारकों के उदाहरणों में शामिल हैं: सहायक शिक्षक, स्थिर घरेलू वातावरण, पाठ्येतर गतिविधियों में साझेदारी, और सकारात्मक सहकर्मी प्रभाव।

Q.32 एक मनोवैज्ञानिक एक ग्राहक को अस्पष्ट स्याही के धब्बों की एक श्रृंखला दिखाता है और पूछता है कि वे क्या हो सकते हैं। यह मनोवैज्ञानिक सबसे अधिक संभावना निम्नलिखित का उपयोग कर रहा है:

A. विषय-संप्रत्यक्षण परीक्षण (TAT)
B. रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण
C. MMPI जैसा एक स्व-रिपोर्ट सूचीपत्र
D. एक बुद्धि परीक्षण

Answer: B

Sol: सही उत्तर है: **(b) रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण।**

व्याख्या:

हरमन रोर्शा द्वारा विकसित रोर्शा स्याही धब्बा परीक्षण, अस्पष्ट स्याही धब्बा छवियों की व्याख्या करके अचेतन उद्देश्यों, संघर्षों और व्यक्तित्व लक्षणों को उजागर करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक प्रक्षेपी परीक्षण है।

Information Booster:

· **प्रक्षेपी तकनीक:** इस विचार पर आधारित है कि लोग अपनी आंतरिक भावनाओं को अस्पष्ट उत्तेजनाओं पर प्रक्षेपित करते हैं।
· **द्वारा विकसित:** स्विस मनोवैज्ञानिक हरमन रोर्शा (1921)।
· **उद्देश्य:** व्यक्तित्व संरचना, अचेतन प्रेरणा और भावनात्मक कार्यप्रणाली का आकलन करना।
· **व्याख्या:** प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण विषयों, धारणा और भावनात्मक स्वर के लिए किया जाता है।
· **शैक्षणिक प्रासंगिकता:** छात्रों के भावनात्मक समायोजन और रचनात्मकता को समझने में सहायता करता है।

Additional Points:

· टीएटी (TAT) जरूरतों और उद्देश्यों को प्रकट करने के लिए सामाजिक दृश्यों के चित्रों का उपयोग करता है।
· एमएमपीआई (MMPI) एक वस्तुनिष्ठ व्यक्तित्व सूची है, न कि एक प्रक्षेपी परीक्षण।
· बुद्धि परीक्षण संज्ञानात्मक क्षमता को मापते हैं, न कि भावनात्मक या अचेतन लक्षणों को।

Q.33 व्यक्तित्व लक्षणों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:
कथन I: गॉर्डन आलपोर्ट ने लक्षणों को प्रमुख, केंद्रीय और द्वितीयक स्तरों में वर्गीकृत किया।
कथन II: प्रमुख लक्षण एक सामान्य विशेषता है जो अधिकांश लोगों में कुछ हद तक मौजूद होती है।

A. कथन I और कथन II दोनों सत्य हैं।
B. कथन I और कथन II दोनों असत्य हैं।
C. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।
D. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।

Answer: D

Sol: सही उत्तर है: **(d) कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।**

व्याख्या:

गॉर्डन आलपोर्ट, पहले लक्षण सिद्धांतकारों में से एक, ने प्रस्तावित किया कि व्यक्तित्व लक्षण तीन स्तरों में व्यवस्थित होते हैं — प्रमुख, केंद्रीय और द्वितीयक। हालांकि, प्रमुख लक्षण सामान्य नहीं होते हैं; वे कुछ व्यक्तियों के पूरे व्यक्तित्व पर हावी होते हैं (जैसे, गांधी की अहिंसा), जिससे कथन II असत्य हो जाता है।

Information Booster:

कथन I (सही – आलपोर्ट का लक्षणों का वर्गीकरण) (5 अंक)

· **प्रमुख लक्षण :** दुर्लभ, प्रमुख लक्षण जो किसी व्यक्ति की पहचान को परिभाषित करते हैं (जैसे, दयालुता, महत्वाकांक्षा)।
· **केंद्रीय लक्षण :** सामान्य लक्षण जो व्यक्तित्व की मूल नींव बनाते हैं (जैसे, ईमानदारी, मिलनसारिता)।
· **द्वितीयक लक्षण:** स्थितिजन्य और कम सुसंगत व्यवहार (जैसे, पसंद, आदतें)।
· **लक्षण पदानुक्रम:** लक्षण तीव्रता में भिन्न होते हैं और स्थितियों में व्यवहार को अलग तरह से प्रभावित करते हैं।

Additional Points:

कथन II: असत्य

· प्रमुख लक्षण सामान्य नहीं होते हैं; वे असाधारण होते हैं और लगभग सभी व्यवहारों का मार्गदर्शन करते हैं।
· अधिकांश लोगों को केंद्रीय और द्वितीयक लक्षणों द्वारा परिभाषित किया जाता है, न कि प्रमुख लक्षणों द्वारा।
· भ्रम इसलिए उत्पन्न होता है क्योंकि केंद्रीय लक्षण प्रमुख के रूप में दिखाई दे सकते हैं, लेकिन वे पूरे व्यक्तित्व को नियंत्रित नहीं करते हैं।

Q.34 जब भी कोई शिक्षक असफलता के दंड की धमकी देता है, तो वह _____ का उपयोग कर रहा/रही होता/होती है।
I. सकारात्मक प्रबलन
II. नकारात्मक प्रबलन

A. केवल I
B. I और II दोनों
C. केवल II
D. न तो I और न ही II

Answer: C

Sol: **Solution: सही उत्तर: (c) केवल II**

Explanation:

जब कोई शिक्षक किसी छात्र को दंड या असफलता की धमकी देता है, तो उसका उद्देश्य छात्र को अवांछनीय व्यवहार से बचने के लिए प्रेरित करना होता है। मनोवैज्ञानिक शब्दों में, यह **नकारात्मक प्रबलन** है। नकारात्मक प्रबलन तब होता है जब एक अवांछनीय व्यवहार को प्रोत्साहित करने के लिए एक अप्रिय उद्दीपन (यहाँ, दंड या असफलता की धमकी) लागू किया जाता है (जैसे पढ़ना या नियमों का पालन करना)।

सकारात्मक प्रबलन में किसी व्यवहार की संभावना को बढ़ाने के लिए एक पुरस्कार या सुखद उद्दीपन देना शामिल है (उदाहरण के लिए, अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रशंसा, स्टार या अंक देना)। धमकियाँ सकारात्मक प्रबलन के अंतर्गत नहीं आती हैं क्योंकि वे पुरस्कृत नहीं करती हैं, वे घृणास्पद होती हैं।

Information Booster:

नकारात्मक प्रबलन को अक्सर दंड के साथ भ्रमित किया जाता है, लेकिन इसमें एक सूक्ष्म अंतर है:
→दंड का लक्ष्य एक घृणास्पद परिणाम लागू करके अवांछित व्यवहार को कम करना है।
→नकारात्मक प्रबलन का लक्ष्य एक घृणास्पद उद्दीपन को हटाकर या उससे बचकर वांछित व्यवहार को बढ़ाना है।
→इस मामले में, धमकी छात्रों को असफलता से बचने के लिए प्रेरित करके आज्ञाकारिता (पढ़ना, उचित व्यवहार करना) को बढ़ाने का कार्य करती है।

Additional Knowledge:

कक्षा प्रबंधन में प्रबलन को समझना आवश्यक है:

→सकारात्मक प्रबलन का उपयोग आम तौर पर प्रेरणा और आत्म-सम्मान को बढ़ावा देता है।
→नकारात्मक प्रबलन या धमकियों पर अत्यधिक निर्भरता छात्रों में डर, तनाव या नाराजगी पैदा कर सकती है, जो दीर्घकालिक सीखने को नुकसान पहुँचा सकती है।
→प्रभावी शिक्षक अक्सर एक सहायक वातावरण बनाए रखते हुए व्यवहार को निर्देशित करने के लिए दोनों दृष्टिकोणों को विवेकपूर्ण ढंग से जोड़ते हैं।

Q.35 प्रारंभिक बाल्यावस्था में भावनात्मक विकास की विशेषताएँ हैं:
I. खुशी और क्रोध जैसी बुनियादी भावनाओं की अभिव्यक्ति
II. दूसरों के प्रति सहानुभूति की शुरुआत
III. पूर्ण भावनात्मक विनियमन

A. केवल I और II
B. केवल II और III
C. केवल I और III
D. I, II और III

Answer: A

Sol: सही उत्तर है **(a) केवल I और II।**

Explanation:
प्रारंभिक बाल्यावस्था में, बच्चे अपनी भावनाओं के बारे में अधिक जागरूकता प्राप्त करते हैं, जिससे वे खुशी और क्रोध जैसी बुनियादी भावनाओं को व्यक्त करना शुरू करते हैं (I)। वे दूसरों के प्रति सहानुभूति (II) भी विकसित करना शुरू करते हैं, जो दूसरों की भावनाओं को समझने और साझा करने की क्षमता है। हालाँकि, पूर्ण भावनात्मक विनियमन (III) आमतौर पर प्रारंभिक बाल्यावस्था के दौरान नहीं होता है; भावनात्मक विनियमन बच्चों के बड़े होने और अपनी भावनाओं पर अधिक आत्म-नियंत्रण प्राप्त करने के साथ विकसित होता रहता है।

Information Booster:
बुनियादी भावनाओं की अभिव्यक्ति:
· प्रारंभिक बाल्यावस्था के दौरान, बच्चे आमतौर पर खुशी, क्रोध, भय और उदासी जैसी बुनियादी भावनाओं को व्यक्त करते हैं।
· ये भावनाएँ उनके प्राकृतिक भावनात्मक विकास का एक हिस्सा हैं क्योंकि वे विभिन्न स्थितियों की पहचान करना और उन पर प्रतिक्रिया करना सीखते हैं।
· भावनाओं की अभिव्यक्ति दूसरों के साथ संवाद करने और बातचीत करने का तरीका सीखने का भी एक अनिवार्य हिस्सा है।
सहानुभूति की शुरुआत:
· सहानुभूति प्रारंभिक बाल्यावस्था में उभरना शुरू हो जाती है क्योंकि बच्चे यह समझना शुरू कर देते हैं कि दूसरों की भावनाएँ उनकी अपनी भावनाओं से भिन्न हो सकती हैं।
· इस चरण में बच्चे परेशान होने पर दूसरों को सांत्वना देना शुरू कर सकते हैं और अपने साथियों की भावनाओं के प्रति चिंता दिखा सकते हैं।
· सहानुभूति सकारात्मक सामाजिक संबंध बनाने और दूसरों के दृष्टिकोण को समझने के लिए एक मूलभूत कौशल है।
भावनात्मक विनियमन:
· हालाँकि भावनात्मक विनियमन समय के साथ सुधरता है, पूर्ण भावनात्मक विनियमन प्रारंभिक बाल्यावस्था में पूरी तरह से विकसित नहीं होता है।
· इस चरण में बच्चों को विभिन्न स्थितियों में आवेग नियंत्रण और भावनाओं को उचित रूप से व्यक्त करने में संघर्ष करना पड़ सकता है।
· जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं और अधिक आत्म-नियंत्रण और सामना करने की रणनीतियाँ (coping strategies) प्राप्त करते हैं, भावनात्मक विनियमन अधिक परिष्कृत होता जाता है।

Q.36 निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि सकल गामक विकास को बढ़ावा देती है?
I. दौड़ वाले खेल
II. वाद-विवाद और चर्चा
III. पेड़ पर चढ़ना

A. I, II और III
B. II और III
C. I और III
D. I और II

Answer: C

Sol: **व्याख्या:**
सकल गामक विकास में बड़ी मांसपेशियों की गतिविधियाँ शामिल होती हैं। दौड़ वाले खेल और पेड़ पर चढ़ने से शक्ति, समन्वय और फुर्ती विकसित करने में सहायता मिलती है। वाद-विवाद मुख्य रूप से संज्ञानात्मक और मौखिक होते हैं, शारीरिक नहीं।

Information Booster:
· सकल गामक कौशल समग्र शारीरिक स्वास्थ्य और समन्वय के लिए आवश्यक हैं।
· कूदना, फेंकना और चढ़ना जैसी गतिविधियाँ बड़ी मांसपेशियों को मजबूत करती हैं।

Additional Points:
· सकल गामक कौशल बच्चों में आत्मविश्वास और स्वतंत्रता में योगदान करते हैं

Q.37 शरीर की छवि, यानी किसी के दिखने के तरीके से चिंता _____ के दौरान तेजी से महत्वपूर्ण हो जाती है।
I. किशोरावस्था
II. वृद्धावस्था

A. केवल II
B. I और II दोनों

C. न तो I और न ही II
D. केवल I

Answer: D

Sol: सही उत्तर **d) केवल I** है।

Explanation:

· **किशोरावस्था (लगभग 12-19 वर्ष) के दौरान, तेजी से शारीरिक और हार्मोनल परिवर्तन होते हैं:** आवाज़ में बदलाव, विकास की गति, मासिक धर्म, बालों का बढ़ना आदि।
· इससे किशोर अपने रूप-रंग, ऊँचाई, वज़न और आकर्षण के प्रति अत्यधिक जागरूक हो जाते हैं। सहकर्मी का प्रभाव बहुत मजबूत होता है, जिससे शरीर की छवि को लेकर चिंता होती है।
· वृद्धावस्था में, यद्यपि स्वास्थ्य और दिखावट मायने रखती है, शरीर की छवि एक केंद्रीय विकासात्मक चिंता नहीं होती है।
· **उदाहरण:** एक किशोरी मुँहासों या पर्याप्त पतली न होने के बारे में घंटों चिंता कर सकती है, जो शरीर की छवि के प्रति अत्यधिक चिंता को दर्शाता है।

Information Booster:

किशोरावस्था बाल विकास का एक विशिष्ट और गतिशील चरण है, जो हर क्षेत्र में तेजी से और महत्वपूर्ण परिवर्तनों से चिह्नित होता है: जैविक, संज्ञानात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक। इसे आम तौर पर लगभग 10-12 वर्ष की आयु से लेकर 20 के दशक की शुरुआत तक माना जाता है।

किशोरावस्था की प्रमुख विशेषताएँ हैं:

· **जैविक और शारीरिक विशेषताएँ:** यह अक्सर किशोरावस्था का सबसे अधिक दिखाई देने वाला पहलू है, जो यौवनारंभ (प्यूबर्टी) द्वारा संचालित होता है।
· **यौवनारंभ और विकास की तीव्र गति (ग्रोथ स्पर्ट):** ऊँचाई, वज़न और अस्थि घनत्व में तेजी से वृद्धि। यह वृद्धि अक्सर असमान होती है, जिससे अस्थायी भद्दापन (clumsiness) होता है।
· **संज्ञानात्मक विशेषताएँ:** किशोर सोचने का एक नया, अधिक परिष्कृत तरीका विकसित करते हैं।
· **अमूर्त सोच:** वे मूर्त तथ्यों से परे चले जाते हैं और प्रेम, न्याय, आस्था और नैतिकता जैसी अमूर्त अवधारणाओं के बारे में सोच सकते हैं। वे रूपकों और व्यंग्यों को गहरे स्तर पर समझ सकते हैं।
· **परिकल्पनात्मक-निगमनात्मक तर्क:** वे व्यवस्थित रूप से संभावनाओं के बारे में सोच सकते हैं, परिकल्पनाएँ बना सकते हैं और उनका परीक्षण कर सकते हैं। यह वैज्ञानिक सोच और जटिल समस्या-समाधान का आधार है। · **मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विशेषताएँ:** यह क्षेत्र एक पहचान बनाने के केंद्रीय कार्य से चिह्नित होता है।
· **पहचान बनाम भूमिका भ्रम (एरिक एरिक्सन का चरण):** किशोरावस्था का प्राथमिक मनोसामाजिक संकट यह पता लगाना है कि "मैं कौन हूँ?" इसमें विभिन्न मूल्यों, विश्वासों और सामाजिक भूमिकाओं की खोज शामिल है।
· **व्यक्तिगत कहानी:** एक विश्वास कि उनके अनुभव, भावनाएँ और भाग्य अद्वितीय और विशेष हैं। यह अजेयता की भावना को जन्म दे सकता है ("यह मेरे साथ नहीं होगा"), जो जोखिम भरे व्यवहारों में योगदान देता है।

Q.38 निम्नलिखित में से कौन-से बाल विकास के मूल सिद्धांत हैं?
I. विकास निरंतर और संचयी (cumulative) होता है।
II. विकास सामान्य से विशिष्ट प्रतिक्रियाओं की ओर बढ़ता है।
III. विकास की दर सभी बच्चों में समान होती है।

A. केवल I और II
B. केवल II और III
C. केवल I और III
D. I, II और III

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(a) केवल I और II** है।

Explanation:

बाल विकास विकास की निरंतर और संचयी प्रकृति (I) की विशेषता है, और यह आमतौर पर सामान्य से विशिष्ट प्रतिक्रियाओं (II) की ओर बढ़ता है, जिसका अर्थ है कि बच्चे व्यापक, सामान्यीकृत व्यवहारों के साथ शुरू करते हैं जो उम्र के साथ अधिक विशिष्ट और परिष्कृत हो जाते हैं। हालाँकि, विकास की दर सभी बच्चों में समान नहीं होती है (III); प्रत्येक बच्चा अपनी गति से विकसित होता है, जो आनुवंशिकी, पर्यावरण और अनुभवों जैसे विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है।

Information Booster:

विकास निरंतर और संचयी होता है:

· बाल विकास एक सतत प्रक्रिया है जो पिछले चरणों पर आधारित होती है।
· यह सिद्धांत इस बात पर जोर देता है कि सीखना और विकास क्रमिक हैं और पहले के अनुभव बाद के अनुभवों के लिए नींव रखते हैं।
· बचपन में सीखे गए कौशल बाद के वर्षों में अधिक जटिल क्षमताओं के लिए आधार बनाते हैं।

विकास सामान्य से विशिष्ट प्रतिक्रियाओं की ओर बढ़ता है:

· शुरू में, बच्चे व्यापक, अविभेदित व्यवहार प्रदर्शित करते हैं (उदाहरण के लिए, सामान्य मोटर कौशल या अप्रत्यक्ष भाषा उपयोग)।
· समय के साथ, उनकी क्षमताएँ अधिक विशिष्ट हो जाती हैं, जैसे कि परिष्कृत मोटर कौशल या विशिष्ट भाषा कार्यों के विकास में।
· यह प्रगति विकास के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में देखी जाती है।

Q.39 निम्नलिखित में से कौन सा कारक 'प्रकृति' और 'पोषण' के प्रभावों को व्यक्तिगत भिन्नताओं पर सर्वोत्तम रूप से दर्शाता है?

A. विद्यालयी शिक्षा और बुद्धिमत्ता
B. आनुवंशिक संरचना और पारिवारिक वातावरण
C. शारीरिक शक्ति और सीखने की शैली
D. प्रेरणा और व्यक्तित्व

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) आनुवंशिक संरचना और पारिवारिक वातावरण है।**

Explanation:

'प्रकृति बनाम पोषण' बहस बताती है कि विरासत में मिले आनुवंशिक लक्षण (प्रकृति) और पर्यावरणीय प्रभाव (पोषण) दोनों व्यक्तिगत विकास को कैसे आकार देते हैं। आनुवंशिक

Adda247 GET IT ON Google Play

संरचना जैविक नींव का प्रतिनिधित्व करती है, जबकि पारिवारिक वातावरण सामाजिक और भावनात्मक अनुभवों को दर्शाता है जो व्यवहार और व्यक्तित्व को प्रभावित करते हैं।

Information Booster:

· **प्रकृति (आनुवंशिक संरचना):** बुद्धिमत्ता, स्वभाव और शारीरिक विशेषताओं जैसे विरासत में मिले लक्षणों को संदर्भित करता है।
· **पोषण (पर्यावरण):** इसमें परिवार, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक अनुभव शामिल हैं।
· **इंटरैक्शन:** दोनों कारक एक व्यक्ति की क्षमताओं और व्यक्तित्व को आकार देने के लिए एक साथ काम करते हैं।
· **उदाहरण:** एक बच्चा संगीत क्षमता (प्रकृति) को विरासत में ले सकता है लेकिन इसे विकसित करने के लिए प्रशिक्षण और प्रदर्शन (पोषण) की आवश्यकता होती है।
· **शैक्षिक निहितार्थ:** शिक्षकों को समग्र विकास का समर्थन करने के लिए आनुवंशिक और पर्यावरणीय दोनों प्रभावों को समझना चाहिए।

Additional Points:

· **स्कूली शिक्षा और बुद्धिमत्ता:** विद्यालयी शिक्षा पर्यावरणीय है, लेकिन बुद्धिमत्ता आंशिक रूप से विरासत में मिली है; यह युग्म प्रकृति और पोषण दोनों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत नहीं करता है।
· **शारीरिक शक्ति और सीखने की शैली:** दोनों आंशिक रूप से पर्यावरण से प्रभावित होते हैं; प्रकृति बनाम पोषण के आदर्श उदाहरण नहीं हैं।
· **प्रेरणा और व्यक्तित्व:** ये प्रकृति और पोषण के परिणाम हैं, न कि स्वयं दो प्रभावों के शुद्ध उदाहरण।

Q.40 _____ जब बच्चे कुछ सुन रहे होते हैं।
I. वे भाषा सीख रहे होते हैं और समझना सीख रहे होते हैं।
II. वे उच्चारण और स्वर-शैली (intonation) को अवशोषित कर रहे होते हैं।

A. न तो I और न ही II
B. केवल II
C. केवल I
D. I और II दोनों

Answer: D

Sol: सही उत्तर है **(d) I और II दोनों।**

Explanation:

· जब बच्चे सुनने की गतिविधियों में संलग्न होते हैं, तो वे केवल आवाज़ नहीं सुन रहे होते हैं; वे सक्रिय रूप से भाषा कौशल हासिल कर रहे होते हैं।
· सुनना भाषा विकास में एक मौलिक भूमिका निभाता है, जिससे बच्चों को अर्थ समझने और भाषण की ध्वनियों, लय और माधुर्य को आत्मसात करने में मदद मिलती है।
· इस प्रकार, बच्चे शब्दावली, व्याकरण और बोध (I) सीखते हैं, जबकि उच्चारण, बल और स्वर-शैली (II) के पैटर्न को भी अवशोषित करते हैं।

Information Booster:

· **सुनने का कौशल:** एक ग्रहणशील भाषा कौशल है जो शिक्षार्थियों को बोली जाने वाली भाषा की व्याख्या करने और भाषाई क्षमता का निर्माण करने की अनुमति देता है।
· **भाषा अधिग्रहण:** सुनने और अनुकरण से शुरू होता है; बच्चे बोलने से पहले अर्थ समझते हैं।
· **उच्चारण और स्वर-शैली:** सुनना स्वाभाविक वाक् विकास में मदद करता है, प्रवाह और लहजे में सुधार करता है।
· **बोध विकास:** बोली जाने वाली भाषा के संपर्क से अर्थ संबंधी समझ और प्रासंगिक शिक्षण मजबूत होता है।

Additional Knowledge:

· सुनना भाषा सीखने का पहला चरण है, जिसके बाद बोलना, पढ़ना और लिखना आता है।
· प्रभावी सुनने की गतिविधियों में कहानियाँ, कविताएँ, बातचीत और गीत शामिल हैं।
· शिक्षकों को मजबूत मूलभूत भाषा कौशल बनाने के लिए समृद्ध श्रवण इनपुट प्रदान करना चाहिए।

Adda247